संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक
घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -267 शनिवार , 29 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

1993 का वो पल जब कुकी और नागा समुदाय की झड़प में सुलग गया था मणिपुर...

मणिपुर हिंसा में 750 लोगों की मौत का क्या था कारण ?

» 1993 में भी हुआ था सांप्रदायिक दंगा

» नागा और कुकी समुदाय के बीच हुई झड़प में मारे गए थे 750 लोग

» इस दंगे ने पूरे गांव और जिलों को नष्ट कर दिया था

नई दिल्ली,28 जुलाई 2023 (ए)। पिछले कई महीनों से मणिपुर जल रहा है, हर तरफ तबाही, आगजनी, दंगे और अफरा-तफरी का माहौल है। कुकी और मैतेई समुदाय के लोगों के बीच एक विरोध प्रदर्शन से शुरू हुआ बवाल आज पूरे राज्य को आग में झोंक चुका है।

अब तक इस दंगे में लगभग 160-170 लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग घायल हो चुके हैं। हर तरफ स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बल के कर्मचारी भारी मात्रा में तैनात हैं, वहीं कई लोग आज भी अपने घरों से निकलने में डर रहे हैं।

हालांकि, आपको बता दें, ऐसा पहली बार नहीं है। इससे पहले भी दो समुदायों के बीच रक्तपात हो चुका है, इससे पहले भी प्रदेश आग में जल चुका है और तबाही का मंजर देख चुका है। इस दंगे के बारे में आज भी बहुत-से लोग नहीं जानते हैं, जिसका बहुत बड़ा कारण था कि उस दौरान न तो इंटरनेट था और न ही कोई ऐसा समाचार चैनल था, जो 24 घंटे लोगों तक जानकारी पहुंचा सके।

इस खबर में हम आपको बताएंगे कि दंगों से मणिपुर का क्या कनेक्शन रहा है और इससे पहले कितनी बार राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया है। इससे पहले 1993 में नागा और कुकी समुदाय के लोगों के बीच भी काफी भीषण दंगा हुआ था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे और माना जाता है कि अगर उस दौरान राष्ट्रपति शासन लागू नहीं किया गया होता, तो दंगे को संभालना थोड़ा मुश्किल हो सकता था।

मणिपुर में 1993 का दंगा

साल 1993 में मणिपुर हिंसा के दौरान राज्य में नागा और कुकी समुदाय आमने-सामने हुए थे। उस दौरान 10-20 और 50 नहीं, बल्कि सैकड़ों लोग मारे गए थे। कुछ आंकड़े बताते हैं कि लगभग 700 लोग, तो वहीं कुछ लोगों का कहना है कि इसमें अनगिनत लोग मारे गए थे।

कुकी समुदाय से नाराज थे नागा समुदाय के लोग

नागाओं और अल्पसंख्यक कुकी समुदाय के बीच संघर्ष इतना खूनी हो गया था कि इसमें बहुत कम समय में ही 85 लोगों की जान चली गई और पूरे के पूरे गांव जलाए जाने लगे। कुकी और नागा, दोनों ही ईसाई समुदाय के बीच जातीय शत्रुता जेनोफोबिक असुरक्षा से शुरू हुई थी। स्थानीय नागा इस बात से नाराज थे कि कुकी समुदाय के लोगों द्वारा उनकी भूमि पर अतिक्रमण कर लिया गया है। दरअसल, नागा हमेशा से कुकी समुदाय के लोगों को विदेशी मानते थे।

हालांकि, कुछ कुकी तब से मणिपुर में रह रहे हैं, जब उन्हें 18वीं शताब्दी में बर्मा के चिन हिल्स में अपनी

मातृभूमि से बाहर निकाल दिया गया था। आज राज्य की 18 लाख की आबादी में 2.5 लाख कुकी समुदाय के लोग हैं, जबकि नागाओं की संख्या 4 लाख है।

पूरी तरह से नष्ट हो गए थे गांव

उस दौरान भड़की हिंसा में 28 गांव, जिनमें से दो-तिहाई नागा थे, वो पूरी नष्ट हो गए। चंदेल, सदर हिल्स और उरखुल जिलों में गांव के गांव तबाह हो गए और मलबे के ढेर में तब्दील हो गए। शरणार्थी शिविरों में रह रहे निवासियों को सुरक्षा के मद्देनजर खाली कर दिया गया।

शरणार्थियों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना बहुत मुश्किल हो रहा था, क्योंकि जिस रास्ते से लेकर उन्हें गुजरना था, वो पूरी तरह से उग्रवादी इलाका माना जा रहा था। सड़क का यह हिस्सा प्रतिद्वंद्वी नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन-एम) और बर्मा स्थित कुकी नेशनल आर्मी (केएनए) के विद्रोहियों के नियंत्रण में था।

खुले मैदान में रहने को मजबूर थे नागा शरणार्थी

एक खुले मैदान में लगभग 300 नागा शरणार्थी को रखा गया था, क्योंकि कुकी विद्रोहियों द्वारा उनके गांवों पर किए गए हमले के बाद वे बेघर हो गए थे। पुरुष महिलाओं को उनके हाल पर छोड़कर जंगलों में भाग गए थे।

लोगों में इस हद तक डर बैठा हुआ था कि जब सुरक्षा बल उनकी मदद के लिए गांव में पहुंचते थे, तो उस दौरान नागा परिवार के लोग अपनी झोपड़ी से बाहर नहीं निकलते थे, क्योंकि उन्हें लगता था ये कुकी समुदाय के लोग हैं और उनके झोपड़ी और परिवार को तहस-नहस कर देंगे।

कुकी समुदाय पर भी हुए हमले

वहीं, दूसरी ओर कुकी गांव सीता में सब कुछ उल्टा था। घात लगाकर किए जाने वाले हमलों को रोकने के लिए सेना ने दोनों तरफ के जंगलों को साफ कर दिया और ग्रामीणों ने संभावित नागा हमलों के खिलाफ अस्थायी बैरिकेड्स लगा दिए थे। नागाओं ने इस गांव पर हमला किया और लगभग 25 झोपड़ियों में आग लगा दी। एनएससीएन (एम) के ग्रेटर नागालैंड के आह्वान से कुकियों की असुरक्षा की भावना बढ़ गई थी।

सामना करने के लिए कुकी महिलाओं ने उठाए हथियार

नागा हमलों का मुकाबला करने के लिए कई कुकी महिलाओं ने हथियार उठा लिए थे। संघर्ष की इस चल रही लड़ाई में, जिसने मणिपुर को विद्रोहियों के खेल के मैदान में बदल दिया था, पांच पहाड़ी जिलों का शायद ही कोई गांव इससे अछूता रह पाया था। कम्बांग खुलेन, एक खड़ी पहाड़ी पथ पर स्थित नागा गांव, लगभग दुर्गम लगता है, यह भी जातीय रोष से अछूता नहीं था।

राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

मणिपुर में लगी आग की खबर अब राजनीतिक गलियारे में भी गूंजने लगी थी। इस हिंसा के दौरान राजकुमार दोरेंद्र सिंह मणिपुर के मुख्यमंत्री थे। उस वक्त नरसिम्हा राव देश के प्रधानमंत्री थे, उन्होंने अपने मंत्रिमंडल की सलाह पर राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की।

सीएम दोरेंद्र को बताया विफल

हालांकि, उस दौरान गृह राज्य मंत्री राजेश पायलट (कांग्रेस नेता सचिन पायलट के पिता) तीन घंटे के लिए मणिपुर दौरे पर गए थे, जिसमें दो घंटे वो एयरपोर्ट पर रुके और एक घंटे में उन्होंने दौरा करने के बाद कहा था कि मणिपुर के सीएम दोरेंद्र सिंह राज्य में प्रशासन लागू करने में विफल रहे हैं। यहां हैरान करने वाली बात यह है कि उस दौरान मणिपुर में कांग्रेस की ही सरकारी थी।

आजम खान को लगा हाईकोर्ट से बड़ा झटका

» भड़काऊ भाषण मामले में सपा नेता को देना होगा सैंपल

प्रयागराज,28 जुलाई 2023 (ए)। भड़काऊ भाषण मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को वायस सैंपल देना होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट से आजम खान को करारा झटका लगा है। इससे पूर्व एमपी/एमएलए कोर्ट रामपुर ने आजम खान को अपनी आवाज का नमूना रिकॉर्ड कराने का निर्देश दिया था। जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनकी यह मांग नामंजूर करते हुए आवाज का नमूना रिकॉर्ड कराने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव मिश्र ने आजम खान की याचिका निस्तारित करते हुए दिया है।

मामले के तथ्यों के अनुसार वर्ष 2007 के विधानसभा के चुनाव के दौरान आजम खान ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए भड़काऊ भाषण दिया। जिसमें आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया। इसके खिलाफ धीरज कुमार सिंह ने रामपुर के टांडा थाने में आजम खान के खिलाफ आईपीसी, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम व एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया। प्रकरण की विवेचना के बाद विवेचक ने आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया, जिस पर कोर्ट ने संज्ञान लेकर मुकदमे का ट्रायल शुरू कर दिया। ट्रायल के दौरान यह बात सामने आई कि उक्त भाषण की ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग कराई गई थी। जिसे विवेचक ने अपनी केस डायरी का हिस्सा बनाया है लेकिन चार्ज शीट में उस रिकॉर्डिंग का जिक्र नहीं है।

इस पर स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए ने आजम खान की आवाज का नमूना रिकॉर्ड कर सीडी में रिकॉर्ड ऑडियो से उसका मिलान कराने का निर्देश दिया। इस आदेश के खिलाफ आजम खान की आपत्ति 29 अक्टूबर 2022 को स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए ने खारिज कर दिया। जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। आजम खान के वकीलों ने कई तकनीकी बिंदुओं पर इस आदेश को गलत बताते हुए कहा कि जिस नायब तहसीलदार गुलाब राय ने ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग कराई थी। उन्होंने ऐसा व्यक्तिगत स्तर पर किया था, न कि उन्हें किसी वरिष्ठ पुलिस या प्रशासनिक अधिकारी ने ऐसा करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने आजम खान के वकीलों की दलीलों को नामंजूर करते हुए आजम खान को अपनी आवाज का नमूना रिकॉर्ड कराने का निर्देश दिया है। साथ ही स्पेशल कोर्ट एमपी-एमएलए से कहा है कि ऑडियो रिकॉर्डिंग करने वाले पूजा कैसेट सेंटर के प्रोपराइटर संजय से इस आशय का एक सर्टिफिकेट प्राप्त करें और उसके बाद आजम खान की आवाज का नमूना रिकॉर्ड करके उससे उपलब्ध रिकॉर्डिंग से मिलान किया जाए।

संसद में मणिपुर हिंसा पर अविश्वास प्रस्ताव पास कर चर्चा करने की मांग

» विपक्षी सांसदों ने पेश किया नोटिस

नई दिल्ली,28 जुलाई 2023 (ए)। संसद के दोनों सदनों में विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को मणिपुर हिंसा पर अविश्वास प्रस्ताव पास कर चर्चा की मांग करते हुए नोटिस दिया। कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने चर्चा के लिए लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया। नोटिस में टैगोर ने लिखा, मई 2023 से मणिपुर में व्यापक हिंसा और तबाही जारी है। मेइतेई और कुकी समुदायों के बीच शांति के लिए मध्यस्थता करने के लिए केंद्र सरकार ने कोई वास्तविक प्रयास नहीं किया है।

उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका को सभी मणिपुर निवासी अप्रभावी मानते हैं। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने

राज्यसभा में सस्पेंशन ऑफ बिजनेस का नोटिस दिया। चड्ढा ने अपने नोटिस में लिखा, केंद्र और राज्य सरकार की 'विफलता और अक्षमता' के कारण मणिपुर में हिंसा के कारण बहुमूल्य जिंदगियों का नुकसान हुआ है।

इस बीच कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोक सभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया और चीन के साथ सीमा स्थिति पर चर्चा का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, मैं सरकार से सदन को चीन के साथ सीमा पर स्थिति, सीमा विवाद को सुलझाने और मध्यस्थता करने के लिए किए गए प्रयासों और संभावित चीनी आक्रमणों के खिलाफ भारत की अखंडता को संरक्षित करने के लिए शुरू की गई नीतियों के बारे में सूचित करने का आग्रह करता हूं।

रक्षा मंत्रालय ने पुराने वापस लिए गए मामलों को पुनर्विचार के लिए रखा

नई दिल्ली,28 जुलाई 2023 (ए)। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने पुराने वापस लिए गए मामलों को फिर से खोल दिया है, भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत है। एमओडी ने विकलांगता पेंशन मामलों में कोई अपील दायर नहीं की है, जहां अपील 2019 की शुरुआत में वापस ले ली गई थी। एमओडी, सरकारी मुकदमेबाजी नीति के अनुसार, सरकारी नीति और सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय किए गए मुद्दों के आधार पर निचली अदालतों/न्यायाधिकरणों के आदेशों को स्वीकार करता है। लंबे समय पहले तय किए गए मामलों में ट्रिब्यूनल के आदेश भी संबंधित व्यक्ति के लिए लागू किए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम फैसलों को ध्यान में रखते हुए, केवल उन मामलों में जहां मेडिकल बोर्ड ने स्पष्ट रूप से कहा है कि चोट/विकलांगता न तो सैन्य सेवा के कारण होती है और न ही गंभीर (एनएएनए) होती है, सरकार के वरिष्ठ कानून अधिकारियों की सलाह से रक्षा मंत्रालय आगे बढ़ा है। अपील करना। रक्षा मंत्रालय सैन्य सेवा से उत्पन्न होने वाली चोट/विकलांगता के मामले के प्रति संवेदनशील है और दृढ़ता से हमारे बहादुर सैनिकों के साथ खड़ा है और सरकार की नीतियों के अनुसार उनके लिए सर्वोत्तम कार्य करने का प्रयास करता है।

भीमा कोरेगांव मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पांच साल से जेल में बंद दो आरोपियों को जमानत दी

नई दिल्ली,28 जुलाई 2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भीमा कोरेगांव मामले के आरोपी वर्नोन गोंसाल्वेस और अरुण फरेरा को जमानत दे दी। दोनों अगस्त 2018 से जेल में बंद थे। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने दोनों को जमानत दी। उन पर माओवादियों से उनके कथित संबंधों के लिए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इसमें कहा गया है कि दोनों आरोपियों को मुकदमे के लंबित रहने तक पांच साल से अधिक समय तक केवल इस आधार पर सलाखों के पीछे नहीं रखा जा सकता कि उन पर गंभीर अपराध का आरोप है।

पीठ ने आदेश सुनाते हुए कहा, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि लगभग पांच साल बीत चुके हैं। हम

संतुष्ट हैं कि वे जमानत पाने के हकदार हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आरोप गंभीर हैं, लेकिन केवल इसी कारण से जमानत से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने आदेश दिया कि दोनों आरोपियों को जमानत के दौरान ट्रायल कोर्ट की अनुमति के बिना महाराष्ट्र से बाहर जाने की इजाजत नहीं होगी।

शीर्ष अदालत ने जमानत देने के लिए कई शर्तें लगाईं। इनमें एनआईए के पास पासपोर्ट जमा करना, आईओ के साथ अपना ठिकाना साझा करना और सप्ताह में एक बार एनआईए को रिपोर्ट करना शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जमानत की शर्तों के उल्लंघन की स्थिति में अभियोजन पक्ष जमानत रद्द करने की मांग के लिए आवेदन दायर करने के लिए स्वतंत्र होगा।

इंडिगो फ्लाइट में यौन उत्पीड़न

बगल की सीट पर बैठी महिला डॉक्टर से प्रोफैसर ने की गंदी हरकत

नई दिल्ली,28 जुलाई 2023 (ए)। फ्लाइट में इन दिनों अजीबो गरीब घटनाएं सामने आ रही है। कभी किसी पैसेंजर द्वारा फ्लाइट में एयर होस्टेस के साथ दुर्व्यवहार तो कभी शराब पीकर हंगामा करने की घटना आम हो गई है। इस बीच छेड़छाड़ के भी मामले सामने आते रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली से मुंबई जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट में महिला डॉक्टर के साथ छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने आरोपित व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए कहा कि दिल्ली-मुंबई इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान में 24 वर्षीय डॉक्टर के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 47 वर्षीय प्रोफेसर को गिरफ्तार किया गया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने कहा कि प्रोफेसर रोहित श्रीवास्तव को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया।

सहार पुलिस के अनुसार, पटना के रहने वाले श्रीवास्तव और दिल्ली की महिला डॉक्टर, बुधवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे दिल्ली से उड़ान भरने वाली फ्लाइट में एक-दूसरे के बगल में बैठे थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि यात्रा के दौरान श्रीवास्तव ने जानबूझकर उसे अनुचित तरीके से छुआ।'

उन्होंने बताया कि कथित घटना फ्लाइट के लैंड करने से ठीक पहले हुई थी। अधिकारी ने कहा कि दो को-पैसेंजर के बीच बहस हो गई और चालक दल को हस्तक्षेप करना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि फ्लाइट के उतरने के बाद अधिकारी दोनों यात्रियों को सहार पुलिस स्टेशन ले गए, जहां एफआईआर दर्ज की गई और महिला डॉक्टर का बयान दर्ज किया गया। श्रीवास्तव पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग) और 354ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी ने कहा, प्राथमिकी दर्ज होने के बाद, श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसके बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर को बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। इंडिगो ने इस मुद्दे पर टिप्पणी मांगने वाले संदेशों का जवाब नहीं दिया।

बिहार के बेगूसराय जिले के मानवता हुई शर्मसार

दुष्कर्म के बाद हत्या कर बेसमेंट में दबाया

» लापता बच्ची का शव बरामद,आरोपी के घर तोड़फोड़

बेगूसराय,28 जुलाई 2023 (ए)।। बिहार के बेगूसराय जिले के बछवाड़ा थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना प्रकाश में आई है। आरोप है कि एक 10 वर्षीय बच्ची की दुष्कर्म कर हत्या कर दी गई और शव को छिपाने की नियत से घर के बेसमेंट में ही दफना दिया गया। इस मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

बच्ची का शव मिलने के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और आरोपी के घर में घुसकर तोड़फोड़ की और आग लगा दी। इस बीच घटना को लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। बताया जाता है कि 10 वर्षीय बच्ची 24 जुलाई से लापता थी। परिजनों ने पुलिस के समक्ष पड़ोसी पर शक जाहिर किया। पड़ोसी के नौकरों से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने शव को पड़ोसी गुड्डू सिंह के घर के बेसमेंट से गुरुवार की रात बरामद कर लिया।

फाईलःफोटो

आरोप है कि पड़ोसी के घर बच्ची मेहंदी तोड़ने गई थी और उसे पकड़कर ना सिर्फ उसके साथ दुष्कर्म किया बल्कि उसकी हत्या कर घर के बेसमेंट में दफना दिया। तेघड़ा के पुलिस उपाधीक्षक रविंद्र मोहन प्रसाद ने बताया कि पुलिस ने शव बरामद कर लिया है। इस मामले में मुख्य आरोपी सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच की जा रही है।

बच्ची के शव मिलने के बाद स्थानीय ग्रामीण आक्रोशित हो गए और आरोपी के घर पहुंचकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान घर में तोड़फोड़ की गई और घर के बाहर आग लगा दी गई। इस घटना में कई वाहन के जलने की सूचना है। इसके बाद अग्निशमन दस्ते ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया।

इस घटना को लेकर बेगूसराय के सांसद और भाजपा के नेता गिरिराज सिंह ने नीतीश सरकार पर जोरदार निशाना साधा है। गिरिराज सिंह ने ट्वीट किया कि नीतीश कुमार जी ने बिहार को नर्क बना दिया है। बेगूसराय के बछवाड़ा में 10 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी जाती है और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार लिखित शिकायत के बाद भी पुलिस दो आरोपियों को थाने बुलाकर छोड़ देती है और बाद में शव उनके घर से ही बरामद किया गया।

अरुणाचल प्रदेश में महसूस हुए भूकंप के झटके

नुकसान की कोई खबर नहीं

ईटानगर,28 जुलाई 2023 (ए)। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने कहा कि शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई है।एनसीएस ने कहा, पांगिन और सियांग जिले के कई अन्य इलाकों तथा आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में थोड़ी घबराहट हुई। भूकंप सतह से 10 किमी की गहराई पर था।अरुणाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है।

पर्वतीय पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर असम, मिजोरम और मणिपुर में लगातार आए भूकंपों ने अधिकारियों की चिंता बढ़ दी है, जिससे उन्हें भूकंप-सुरक्षात्मक संरचनाएं बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। भूकंपविज्ञानी पूर्वोत्तर क्षेत्र को दुनिया का छठा सबसे अधिक भूकंप-प्रोन क्षेत्र मानते हैं।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था की असल कहानी

अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर पेश करने की तमाम कोशिशों के बावजूद अखबारी सुर्खियां लगभग रोज ही असल कहानी बता रही हैं। बिगड़ते हालात का कारण हैः अनिश्चित आर्थिक माहौल, ऊंची महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी, औसत वेतन में कम बढ़ोतरी और अर्थव्यवस्था की (अंग्रेजी के) के अक्षर जैसी रिकवरी।

भारतीय अर्थव्यवस्था की खुशहाल कहानी प्रचारित करने की कोशिशें अपनी जगह हैं, लेकिन इनके बीच ही देश के आम जन का असली हाल का इजहार मुख्यधारा मीडिया की सुर्खियों से भी हो जाता है। कोई ऐसा दिन नहीं जाता, जब अखबारों में ऐसी कोई खबर देखने को ना मिले, जिनसे देश में घटती मांग, उपभोग के गिर रहे स्तर, रोजगार के मोर्चे पर बढ़ रही चुनौतियों और देश में बढ़ रही आर्थिक गैर-बराबरी की कहानी सामने ना आती हो। मसलन, इन खबरों पर ध्यान दीजिएः एक खबर के मुताबिक भारत में मोबाइल फोनों की बिक्री गिर रही है। 2023 के पहले छह महीनों में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में बिक्री की यह संख्या पांच करोड़ हैंडसेट से नीचे रही। यह लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट है। ऐसा क्यों हुआ, यह भी उसी अखबारी रिपोर्ट में बताया गया। ये कारण रहेः अनिश्चित आर्थिक माहौल, ऊंची महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी, औसत वेतन में कम बढ़ोतरी और अर्थव्यवस्था की (अंग्रेजी के) के अक्षर जैसी रिकवरी।

एक दूसरी खबर यह आई है कि भारत में दफ्तर स्थलों की मांग मद्धम हो गई है। इसका एक प्रमुख कारण यह बताया गया है कि कंपनियों ने नए कर्मियों की भर्तियों का अपना अनुमान गिरा दिया है। एक अन्य खबर है कि स्टार्टअप्स में होने वाले निवेश की वृद्धि दर दस तिमाहियों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। बिगड़ते आर्थिक माहौल का ही असर है कि केंद्र सरकार की प्रिय पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव) योजना के तहत के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक 40 हजार करोड़ रुपये से भी कम व्यय होने का अनुमान है, जबकि सरकार ने इसके लिए एक लाख 97 हजार करोड़ रुपये का मद रखा है। जब बेरोजगारी का आलम यह हो कि किसी कंपनी के 15 नौकरियों का इश्तहार निकालने पर 48 घंटो के अंदर 13 हजार आवेदन आ जाते हों, तो उस समय कौन-सी कंपनी निवेश और उत्पादन के लिए प्रेरित होगी? उत्पादन का सीधा संबंध मांग और उपभोग से होता है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि लगातार गंभीर होते ये हालात सरकार की चिंता का विषय नहीं हैं।

सियासी संग्रामः काली ड्रेस छाई लाल डायरी आई

» मणिपुर पर संसद से सड़क तक संग्राम शाब्दिक लड़ाई

» बात काले कपड़ों और लाल डायरी तक आई

» संसद का मानसून सत्र 2023 भी हंगामे की भेंट चढ़ने के आसार ?

» ए बाबू! जनता जनार्दन लाइव टेलीकास्ट में जीवंत लोकतंत्र में निष्क्रिय आचरण देख रही है

वैश्विक स्तरपर दुनियां के सबसे बड़े लोकतंत्र और सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश के मानसून सत्र 2023 पर दुनियां की नजरें लगी हुई है। एक तरफ दुनियां में अपनी उपलब्धियों के झंडे गाड़कर अपनी प्रतिष्ठा रुतबे औरताकत को सिद्ध कर दिया है तो दूसरी तरफ अपने एक भीषण घरेलू मामले पर संसद के मानसून सत्र 2023 जो 20 जुलाई से 11 अगस्त 2023 तक 23 दिन 17 बैठकों में 31 दिल पर चर्चा से संदर्भित है, हंगामे की भेंट चढ़ता हुआ दिखाई पड़ रहा है ? क्योंकि बीते 8 दिनों से सांसद चल नहीं पाई है। उधर अनेक बिल बिना चर्चा के केवल ध्वनिमत से पारित किए जा रहे हैं जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं मांनां जा सकता है, जिसकी वजह विपक्ष आई.एन.डी.आई.ए की 26 पार्टियों का मणिपुर मामले पर माननीय पीएम के संसद में बयान पर वकआउट करना है जिसका सियासी पेंच फंस गया है, जनता जनार्दन लाइव टेलीकास्ट डिबेट सुन और समझ रही है। विपक्ष की मांग भी उचित हो सकती है कि पीएम आकर बयान दे जिसमें कोई हर्ज नहीं है, वैसे भी दिनांक 27 जुलाई 2023 कोराजस्थान में लाल डायरी सहित अनेक मुद्दों पर बयान दे चुके हैं संसद शुरू होने से पहले बाहर बड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बयान भी दिए हैं, तो संसद में बयान क्यों नहीं, यह बात विपक्ष के नेता ने आज बुधवार को कही, वही पक्ष का कहना है कि जब गृहमंत्री इस मुद्दे पर बयान देने को तैयार है तो फिर चर्चा क्यों नहीं अब जनता जनार्दन को दोनों की बात उचित लग रही है परंतु कोई पक्ष झुकने के लिए तैयार नहीं विपक्ष नें 27 जुलाई 2023 को विदेशमंत्री के महत्वपूर्ण बयान पर हंगामा किए तो विपक्ष के नेता के बयान पर पक्ष द्वारा भी हंगामा किया गया। 26 पार्टियों का विपक्ष की संसद में बुधवार को सभी काले कपड़ों में उपस्थिति दर्ज कराई तो पीएम द्वारा राजस्थान में लाल डायरी संबंधी बड़ा बयान याने पक्ष विपक्ष का बयान अपने राह पर तान, जनता हलकान वाली बात रही है।

चूंकि कि इस सियासी लड़ाई में काली ड्रेस छाई लाल डेहरी आई है, तो हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, मणिपुर पर संसद से सड़क तक संग्राम और लड़ाई बात काले कपड़ों और लाल डेहरी पर आई, जिसमें संसद का मानसून सत्र 2023 भी हंगामे की भेंट चढ़ने के आसार हैं ? ए बाबू जनता जनार्दन लाइव टेलीकास्ट में जीवंत लोकतंत्र में निष्क्रिय आचरण देख रही है!

साथियों बात अगर हम संसद में विपक्ष काले कपड़ेपहनकर अपना विरोध प्रदर्शन की करें तो यह संवैधानिक अधिकार है, परंतु सत्ताधारी पक्ष और सांसदों के द्वारा तंटिंग करने की करें तो, मणिपुर पर संसद से सड़क तक जबरदस्त तरीके से सियासी संग्राम छिड़ा हुआ है। विपक्षी दल केंद्र की सरकार पर हमलावर है। संसद के दोनों सदनों में इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दल सरकार से चर्चा की मांग कर रहे हैं। विपक्षी दल पीएम के बयान की भी मांग कर रहे हैं। इसी कड़ी में केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। वहीं,आज विपक्षी दलोंके नेता संसद में काले कपड़े पहनकर पहुंचे थे। उनकी ओर से सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था इसको लेकर पक्ष ने जबरदस्त तरीके से पलटवार किया है। विपक्षी दलों के सदस्यों पर तीखा प्रहार करते हुए सदन के नेता ने आरोपलगाया कि उनके द्वारा विदेश नीति जैसे गंभीर विषय पर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है तथा उनका विगत और वर्तमान ही नहीं भविष्य भी काला है। उन्होंने एक लिखा हुआ पर्चा पढ़ते हुए कहा, जिनके मन में काला है, जिनके तन पर भी आज काला है, क्या छिपा है इनके दिल में, क्या इनके दिल में भी काला है, क्या शब्दों के बोल में काला है। क्या कारनामे हैं इनके, जो दिखाना नहीं चाहते और छिपाना चाहते हैं, वैसे तो आजकल काले कौवे भी इन पर आकर्षित होने लगे हैं। हरियाणा के मंत्री ने तो यह तक कह दिया कि मातम में ही काले कपड़े पहने जाते हैं। ऐसा लग रहा है कि नई पार्टी का कोई स्वर्ग सिधार गया होगा। उनका नई पार्टी से संदर्भ आई.एन.डी.आई.ए गठबंधन से था जो विपक्षी दलों की एकता का मंच है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि काले कपड़े तो मातम में ही पहने जाते हैं। यह जो नई पार्टी बनी है उसके जन्म के साथ ही कोई स्वर्ग सिधार गया होगा इसलिए ये काले कपड़े पहनकर आए हैं। सरकार के लिए सभी धर्मों के लोग एक समान है, इसके लिए कानून बनाने की आवश्यकता है। कुछ लोग तो पैदा ही विरोध करने के लिए हुए हैं। इसमें किसी को क्या ऐतराज है कि सरकार सबको समान नज़र से देखे? विपक्षी नेता का पीएम पर वार, कि एक ओर जहां संसद में मणिपुर को लेकर विपक्षी दल पीएम के बयान की मांग कर रहे हैं। वहीं, पीएम आज राजस्थान दौरे पर हैं जहां से उन्होंने इंडिया को लेकर कड़ा प्रहार किया है। इसी पर विपक्ष अध्यक्ष ने पलटवार किया है, कहा कि सदन चल रहा है, हम मांग कर रहे हैं कि पीएम वहां आएं और बयान दें लेकिन वे राजस्थान में राजनीतिक भाषण दे रहे हैं और चुनाव की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब वे वहां जा सकते हैं तो क्या आधे घंटे के लिए सदन में आकर बयान नहीं दे सकते? इसका मतलब है कि लोकतंत्र में उनकी कोई रुचि नहीं है, कोई विश्वास नहीं है। वे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा नहीं करना चाहते, वे संसद का अपमान कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम संसद में अविश्वास प्रस्ताव की करें तो, सत्ताधारी पक्ष के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने के एक दिन बादउन्होंने मणिपुर पर चर्चा की अनुमति नहीं देने और उनके अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू नहीं करने के लिए ट्रेजरी बेंच के विरोध में काला कपड़ा पहनने का फैसला किया।प्रस्ताव को सदन के कम से कम 50 सदस्यों का समर्थन होना चाहिए। जबकि लोकसभा की कुल सदस्य संख्या 543 है, प्रभावी सीटें 537 हैं और खाली सीटें केवल 6 हैं। अविश्वास प्रस्ताव को लेकर भी सरकार बेफिक्र है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अविश्वास प्रस्ताव का भविष्य पहले से तय है।संख्याबल के आधार पर भाजपा मजबूत है। लोकसभा में विपक्ष के 150 से भी कम सांसद हैं। 272 बहुमत का आंकड़ा होता है। भाजपा अपने दम पर 303 है। जबकि भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन के पास 331 सदस्य हैं।

साथियों बात अगर हम दिनांक 27 जुलाई 2023 को लाल डायरी पर पक्ष-विपक्ष के बयान की करें तो पीएम द्वारा एक जनसभा में अपने संबोधन में लाल लहरी की चर्चा उठाई तो इस मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित होना ही था, उन्होंने राज्य सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा, कहते हैं इस लाल डायरी में सरकार के काले कारनामे दर्ज हैं। लोग कह रहे हैं कि लाल डायरी के पन्ने खुले तो अच्छे-अच्छे निपट जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि उनके बड़े से बड़े नेताओं की इस लाल डायरी का नाम सुनते ही बोलती बंद हो रही है। पीएम इतने पर ही नहीं रुके, उन्होंने कहा कि ये लोग भले ही मुंह पर ताला लगा लें, लेकिन ये लाल डायरी इस चुनाव में पार्टी का डिब्बा गोल करने जा रही है।

साथियों बात अगर हम लाल डायरी के रहस्य की करें तो, पिछले शुक्रवार को राजस्थान सरकार के मंत्री ने विधानसभा में अपनी ही सरकार को घेरना शुरू कर दिया था। राजस्थान में न्यूनतम आय गारंटी विधेयक 2023 पर चर्चा हो रही थी। इस बीच, पार्टी के विधायकों ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए मणिपुर हिंसा की तख्तियां लहराने लगे। मंत्री भी सदन में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने अपनी ही सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, सच्चाई ये है कि हम महिलाओं की सुरक्षा में असफल हो गए और राजस्थान में जिस तरह से महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं, ऐसे में हमें मणिपुर की बजाय अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। उनके तीखे हमलों से राज्य पार्टी की सरकार असहज हो गई। आनन-फानन में सीएम ने मंत्री को मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया। मंत्री पद से हटाए जाने के बाद मंत्री रोते हुए मीडिया के सामने आए। उन्होंने कहा कि मुझे सच बोलने की सजा मिली है। महिलाओं के खिलाफ अपराध में राज्य नंबर वन है। मैंने क्या गलत कहा? जनता मेरे साथ रहेगी और मैं उनके लिए काम करता रहूंगा। चाहे वह मुझे कैबिनेट से हटाएं या जेल भेज दें। मैं जब तक जिंदा रहूंगा, बोलता रहूंगा। इसके बाद सोमवार को जब फिर विधानसभा में पहुंचे तो जमकर हंगामा हुआ। पहले उन्हें विधानसभा में घुसने नहीं दिया गया, बाद में किसी तरह अंदर पहुंचे तो स्पीकर के सामने उन्होंने लाल रंग की एक डायरी लहराना शुरू कर दी। इसके बाद स्पीकर सीपी जोशी ने मार्शलों को बुलाकर उन्हें बाहर करवा दिया।उन्होंने दावा किया कि इस डायरी में पार्टी के नेताओं के काले कारनामे की पूरी जानकारी है?। केंद्रीय मंत्री ने सत्ता धारी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं राज्य के सीएम से पूछना चाहता हूं कि यह लाल डायरी क्या है? इसे लेकर सरकार में बेचैनी क्यों है? पार्टी का पलटवार, सीएम ने भी पीएम पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, पीएम को लाल डायरी की बजाय लाल टमाटर और लाल सिलेंडर पर बात करनी चाहिए। लाल डायरी जैसा कुछ भी नहीं है। आने वाले समय में उनको लाल डायरी दिखा दी जाएगी।

अतः अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सियासी संग्राम - काली ड्रेस छाई लाल डायरी आई।मणिपुर पर संसद से सड़क तक संग्राम शाब्दिक लड़ाई - बात काले कपड़ों और लाल डायरी तक आई।संसद का मानसून सत्र 2023 भी हंगामे की भेंट चढ़ने के आसार ? - ए बाबू ! जनता जनार्दन लाइव टेलीकास्ट में जीवंत लोकतंत्र में निष्क्रिय आचरण देख रही है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

दूर हुई तू जबसे सजनी

दूर हुई तू जबसे सजनी
नींद चैन मुझको न आए
न जाने कब दीदार होगा
यह मन मेरा तरसा जाए।
पल-पल तेरी राह निहारे
यह मेरे प्यासे दो नयन
प्यास बुझाने आ जाओ
दे जाओ मुझे सुख-चैन।
यादों में ही खोया रहता
है यह बांवरा व्याकुल मन
यह तन-मन जल रहा है
जैसे जलती कोई अगन।
रह-रह के तेरी याद सताए
यह आँखें तेरी राह निहारे
प्रीत-परिणय तुम दे जाओ
अब तुम ही हो मेरे सहारे।
तुम ही मेरे पहिली आस हो
तुम ही तो मेरा विश्वास हो
दूर मुझसे कितने भी रहो
पर लगती तो पास-पास हो।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

ख्वाहिश

मैं करूं ख्वाहिश आज की
मिल जाए मुहब्बत ,
मुझे आपकी।
मैं करूं ख्वाहिश आराम की
मिल जाए जिंदगी,
मुझे किसी काम की।
मैं करूं ख्वाहिश राम की
मिल जाए मुहब्बत,
मुझे राधे-श्याम की।
मैं करूं ख्वाहिश रात की
मिल जाए तन्हाई,
मुझे शाम की।
मैं करूं ख्वाहिश ज्ञान की
मिल जाए सिद्धि,
मुझे महाज्ञान की।

राजीव डोगरा
जनयानकड़
कांगड़ा
हिमाचल प्रदेश

सावन के झड़ी

धुँक-धुँक के गिरत हे
झिमिर-झिमिर पानी।
गरजत हे बादर,
छम-छम नाचे बरखा रानी।।
हाथ-पाँव ह ठिठुर गे,
देंह ह कँपकपावत हे।
मनखे मन के सादा दाँत ह
किनकिनावत हे।।
सूक्खा नदिया, नरवा मन
दउंड़ेला धरलिन।
खंचवा,डबरा,बांधा अउ
तरिया मन भरगिन।।
डोलिया अउ बहरा के
मुंही-पार ह भंगलागे।
कोंवर-कोंवर पाना दिखे
रूख-राई हरियागे।।
मछरी मन नाचे लगिन,
केकरा बाजा बजावय।
बिला के अहिरू-बिछरू
सुनके जम्मों आवंय।।
घुरघुरा गरतुर बंसुरी बजाथे
घपटे रात अँधियारी।
होली खेलत हें मेचका
मन धरे हवंय पिचकारी।।
नांगर जोतागे खेत-खार,
किसान के भाग जागे।
खुमरी पहिन के बनिहार,
रोपा लगयेला आगे।।
चना,तिवरा के होरा अउ
जोंधरी म पेट टन होगे।
आंसो सावन के झड़ी म
सिरतोन मन मगन होगे।।

अशोक कुमार यादव
मुंगेली,
छत्तीसगढ़

धुआं

युवाओं को ये क्या हो रहा है
खड़े सड़क पर धुआं उड़ा रहे।
ना लाज शर्म बरकरार रही
सरेआम हंसी के पात्र बन रहे ।
जो समझ रहे धुएं को शान हैं
वे तिरछी नजरों से निहारे जा रहे।
जहां खड़े हो जरा देखो दाएं बाएं भी
बचपन भी उन्हीं सड़कों पर घूम रहे।
याद नहीं क्या नौजवानों की तड़प
जवानी की थी कुर्बान उन्हें भूला रहे।
सोचो जरा उन माता-पिता के बारे में
जी तोड़ मेहनत कर तुम्हें पढ़ने भेज रहे।
उम्मीदें लगा कर बैठे बेचारे तुम ही से
क्यों उम्मीदें उनकी धुएं में उड़ा रहे।
माना आधुनिकता का चोला पहना है
पर क्यों सिगरेट की चिंगारी से उड़ रहे।

सीमा रंगा
इन्द्रा
हरियाणा

स्खलित होती नैतिक धारणाएं और आस्थाएं

पुरुष समाज की ज्यादतियां सिर्फ स्त्रियों पर ही क्यों

मणिपुर की महिलाओं पर शर्मनाक और अमानवीय पुरुष समाज की हरकतों से पूरा समाज और पूरा देश लज्जित हुआ है। छोटी बच्चियों से लेकर बड़ी बूढ़ी महिलाओं तक शारीरिक, सामाजिक शोषण देश के लिए एक काला अध्याय है हम अपने पशुओं के व्यवहार के कारण लज्जित तो हुए ही पर उसके पश्चात कोई पछतावा दिखाई नहीं देता है। देश के कोने कोने से महिलाओं को अपमानित करने की घटनाएं रोज हो रही हैं क्या हमारे नैतिक मूल्य और आस्थाये अब पूर्ण रूप से स्खलित हो चुकी है नैतिक मूल्यों का क्षरण अचानक तेज होता जा रहा हैद्य धन तथा पद की लोलुपता ने सारी हदें पार कर दी हैंद्य भारतीय समाज पुरुष प्रधान होने का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि स्त्री ही हर ज्यादति और अत्याचार की शिकार होती रहे।

प्राचीन काल से अब तक स्त्री ही पुरुष तथा समाज के दमन का केंद्र रही हैद्य शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के विकास के बाद भी स्त्रियों की दयनीय स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है देश की आबादी की 45व्र आबादी महिलाओं की है पर अभी तक स्त्रियों की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ है,यह एक चिंतनीय सामाजिक समस्या हमारे सामने ज्वलंत खड़ी हैद्य

भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया हैद्य वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन ही हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से

प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है।

मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी-छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं। आंकड़ों में यदि जाएं तो 2020 में लगभग 40,000 बलात्कार के मामले हिंदुस्तान में सामने आए हैं जिनमें 18 साल से कम आयु की लड़कियों की संख्या 16800 की और सबसे खतरनाक तथा विवाद,वीभस्त आंकड़ा जो है वह 6 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार की घटना के लगभग 600 मामले सामने आए हैं। यौन हिंसा के अलावा बच्चियों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा युवाओं द्वारा दिए गए प्रणय निवेदन तो ठुकरा दिए जाने के बाद तेजाब फेंकने की घटनाएं तीव्रता से बड़ी हैं 2010 से लेकर 2020 तक महिलाओं पर तेजाब फेंकने की 1208 घटनाएं विभिन्न जगहों में संबंधित थानों में पंजीकृत हुई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को एसिड की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश भी दिए गए, पर आज भी पूरे देश में तेजाब की बिक्री खुलेआम हो रही है। तेजाब पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा इंटरनेट मोबाइल पर भी प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है इस पर भी एक उम्र की सीमा से ऊपर के लोगों को इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा कर एक अभियान चलाकर इसे योजनाबद्ध तरीके से कानून की मदद से हिंदुस्तान भर में विस्तारित किया जाना चाहिए। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को भी समूल नष्ट करने का अभियान चलाकर एक प्रभावी योजना तैयार की जानी चाहिए। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ शासकीय योजनाओं को भी यौन हिंसा प्रताड़ना के खिलाफ आमजन को शिक्षित और जागरूक कर पाश्चात्य सभ्यता को ना अपनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़

विपक्ष के दिग्गजों की परीक्षा

भाजपा के गठबंधन एनडीए और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की एक ही दिन हुई बैठक की तस्वीरों की तुलना में एक दिलचस्प राजनीतिक नैरेटिव दिखता है। दिल्ली में हुई एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े होकर फोटो खिंचवाने वाले नेताओं में से 90 फीसदी नेता ऐसे थे, जिनको अपने क्षेत्र या अधिक से अधिक अपने राज्य से बाहर कोई नहीं जानता है। एनडीए की बैठक में ज्यादातर छोटी पार्टियां थीं। और ज्यादातर नेताओं की कोई राष्ट्रीय या राज्यस्तरीय पहचान भी नहीं है। तभी दिल्ली के अशोक होटल की तस्वीर ऐसी थी, जिसमें नरेंद्र मोदी की हैसियत सूर्य वाली थी और बाकी सारे छोटे-मोटे ग्रह थे, जो उनकी परिक्रमा कर रहे थे। हालांकि इसका भी अगले साल के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए बहुत फायदा है।

इसके उलट विपक्ष की बैठक में अधिकतर चेहरे ऐसे थे, जिनकी राष्ट्रीय पहचान है या अपने राज्य के सबसे बड़े नेताओं में आते हैं। वहां न कोई सूर्य था और न परिक्रमा करने वाले ग्रह थे। सबकी स्वतंत्र हैसियत थी और सब बराबरी में बैठे थे। उनकी अपनी ताकत है, जिसके दम पर वे राजनीति करते हैं लेकिन भाजपा के गठबंधन में शामिल ज्यादातर पार्टियों और नेताओं के पास अपनी ताकत नहीं है। वे नरेंद्र मोदी के लिए पूरक की तरह काम करेंगे। तभी सवाल है कि ये पूरक पार्टियां अगले चुनाव में भाजपा की कितनी मदद कर पाएंगी? दूसरी ओर यह सवाल है कि विपक्ष के तमाम दिग्गज मिल कर क्या नरेंद्र मोदी को रोक पाएंगे?

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक में शामिल नेताओं के चेहरे पर एक नजर डालें तो दिखेगा कि लगभग सभी नेता लंबे राजनीतिक अनुभव वाले हैं। उन्होंने अपनी पार्टी को मजबूत किया और कई महत्वपूर्ण राजनीतिक लड़ाइयां जीती हैं। बैठक की अध्यक्षता मल्लिकार्जुन खड़गे कर रहे थे, जिनका राजनीतिक अनुभव पांच दशक से ज्यादा का है। वे कर्नाटक की राजनीति के सबसे बड़े चेहरों में हैं। एनसीपी नेता शरद पवार निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे बड़े नेता हैं। इसी तरह एमके स्टालिन तमिलनाडु की राजनीति की सबसे बड़े और लोकप्रिय नेता हैं। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार दोनों बैठक में मौजूद थे, जिनके ईर्द-गिर्द बिहार की राजनीति पिछले करीब साढ़े तीन दशक से घूम रही है। ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की सबसे बड़ी और सबसे लोकप्रिय नेता हैं तो हेमंत सोरेन भी झारखंड के सबसे बड़े नेताओं में शुमार होते हैं। अखिलेश यादव भी देश के सबसे बड़े राज्य के पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे हैं और राज्य की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता हैं। कम्युनिस्ट पार्टियों की राजनीतिक हैसियत बहुत बड़ी नहीं रह गई है फिर भी सीताराम येचुरी और डी राजा दोनों की राष्ट्रीय पहचान है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पटना की बैठक में शामिल नहीं हुई थीं लेकिन वे बेंगलुरू की बैठक में शामिल हुईं। वे बैठक की अध्यक्षता नहीं कर रही थीं लेकिन उनके होने का असर पूरी बैठक पर दिख रहा था। उनके नाम से यह रिकॉर्ड है कि उन्होंने राष्ट्रीय चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी दोनों को हराया है। उनकी कमान में 2004 में कांग्रेस ने भाजपा को तब हराया था, जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और देश मान रहा था कि उनका कोई विकल्प नहीं है। इसके बाद 2009 में जब लालकृष्ण आडवाणी प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर लड़े तब सोनिया गांधी की कमान में कांग्रेस ने उनको भी हराया। सो, सोनिया गांधी का अनुभव और यह उपलब्धि उनको विपक्षी गठबंधन का केंद्र बनवाने वाली है। तभी कांग्रेस के नेता चाहते हैं कि सोनिया गांधी को 'इंडिया' का संयोजक बनाया जाए। विपक्ष की दूसरी बैठक में आठ नई पार्टियों को न्योता दिया गया था, जो अपेक्षाकृत छोटी पार्टियां हैं। लेकिन इनका राज्य की बड़ी प्रादेशिक पार्टियों के साथ पहले से गठबंधन है।

सो, भले एनडीए की बैठक के बाद यह मैसेज बना हो कि 38 पार्टियों का गठबंधन 'इंडिया' से लड़ेगा लेकिन हकीकत यह है कि लड़ाई नरेंद्र मोदी से ही है। एक तरफ नरेंद्र मोदी होंगे, जिनकी ताकत, लोकप्रियता, संसाधन और करिश्मे के दम पर एनडीए की सारी पार्टियां लड़ेंगी तो दूसरी ओर एक नया बना गठबंधन 'इंडिया' होगा, जिसकी एक विशाल छाते के नीचे सभी पार्टियां अपनी अपनी लडाई लड़ेंगी। विपक्षी गठबंधन में कोई एक नेता ऐसा नहीं होगा, जिसके नाम से समूचे गठबंधन को फायदा होगा। सब एक बड़ी लड़ाई लड़ रहे होंगे लेकिन सबकी अपनी अपनी लड़ाई भी होगी। तभी सवाल है कि अपनी अपनी लड़ाइयों में क्या ये नेता कामयाब होंगे और सब अपने अपने इलाके में मोदी को रोक पाएंगे? यह तब हो सकता है, जब 'इंडिया' के नेता राष्ट्रीय चुनाव को क्षेत्रीय बना दें।

इस लिहाज से यह विपक्ष के तमाम दिग्गज नेताओं की परीक्षा वाला चुनाव है। ज्यादातर दिग्गज नेताओं का यह आखिरी चुनाव भी होगा। यह तय मानना चाहिए कि सोनिया गांधी, शरद पवार, मल्लिकार्जुन खड़गे, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद आदि नेता 2029 के लोकसभा चुनाव में कोई प्लेयर नहीं होंगे। एमके स्टालिन 75 साल से ज्यादा उम्र के होंगे और ममता बनर्जी भी 75 साल की होने वाली होंगी। उम्र के साथ साथ इनकी राजनीति भी ढलान पर होगी। सो, इन सभी दिग्गज नेताओं के लिए 2024 का चुनाव आखिरी मौका है कि वे अपनी ताकत दिखाएं। इस चुनाव में इन नेताओं की कामयाबी इस पर निर्भर करेगी कि वे अपने असर वाले राज्य में चुनाव को क्या मोड़ देते हैं। अगर राष्ट्रीय चुनाव होता है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और मजबूत राष्ट्रीय नेतृत्व या विश्वगुरू का नैरेटिव बनता है तो विपक्ष के जीतने की संभावना कम हो जाएगी। लेकिन अगर चुनाव राज्यवार या सीटवार हो जाता है तो नरेंद्र मोदी का एडवांटेज कम हो जाएगा। मिसाल के तौर पर अगर तमिलनाडु में चुनाव तमिल अस्मिता का हो जाता है और राष्ट्रीय मुद्दों की बजाय राज्यपाल आरएन रवि द्वारा किए गए काम मुद्दा बनते हैं तो विपक्ष को फायदा होगा।

पश्चिम बंगाल में इस स्थिति से बचने के लिए ही केंद्र सरकार ने सीवी आनंदा बोस को राज्यपाल बनाया है। वे भले तमिलनाडु के हैं लेकिन बंगाली हैं इसलिए उनके किसी कामकाज के विरोध में तृणमूल कांग्रेस बांग्ला अस्मिता का मुद्दा वैसे नहीं बना सकती है, जैसे 2021 के विधानसभा चुनाव के समय बनाया था। उस समय राज्यपाल जगदीप धनखड़ थे और भाजपा नरेंद्र मोदी और अमित शाह के चेहरे पर चुनाव लड़ रही थी। लेकिन तब मोदी और शाह को बंगाल का नेता नहीं बनना था। इस बार मोदी को प्रधानमंत्री बनना है। इसलिए ममता के लिए परीक्षा की घड़ी है कि वे चुनाव को बांग्ला अस्मिता पर ले जा पाती हैं या नहीं। इसी तरह विपक्ष को हर राज्य में अलग अलग मुद्दे पर चुनाव को ले जाना होगा। बिहार में आरक्षण, सामाजिक न्याय और मंडल की राजनीति है तो महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के हिंदुत्व की राजनीति के साथ शरद पवार की मराठा राजनीति का समायोजन है। उधर झारखंड में समावेशी राजनीति करते हुए भी आदिवासी को केंद्र में रखना है। सो, हर राज्य के लिए लड़ाई का अलग स्वरूप होगा और इसी में विपक्ष के दिग्गजों की असली परीक्षा होगी।

अजीत द्विवेदी

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

भालुओं से जान बचाने टांगी व लाठी से ग्रामीण करता रहा संघर्ष

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डांडक़ेसरा में शुक्रवार की सुबह तीन भालुओं ने एक ग्रामीण पर हमला कर दिया। ग्रामीण घर से कुछ दूरी पर खेत में मवेशी चरा रहा था। वह अपनी जान बचाने के लिए हाथ में रखे टांगी व डंडे से भालुओं पर हमला करना शुरू कर दिया। इधर भालुओं ने उसपर तीनों तरह से हमला किए जाने से ग्रामीण गंभीर रूप से जख्मी हो गया और बेहोश हो गया। भालू उसे मरा समझ कर वहां से भाग गए। इधर कराहने की आवाज सुनकर परिजन पहुंचे तो वह अचेत पड़ा था। परिजन उसे उठाकर घर लाए और उसे इलाज के लिए कमलेश्वरपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार

दिनानाथ यादव उम्र 60 वर्ष कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डांडक़ेसरा का रहने वाला है। वह शुक्रवार की सुबह करीब 7 बजे घर से कुछ दूरी पर मवेशी चरा रहा था। अचानक झाड़ी से तीन भालू निकलकर दिनानाथ यादव पर हमला कर दिया। इस दौरान वह अपनी जान बचाने के लिए हाथ में रखे टांगी व डंडे से भालुओं से भिड़ गया। करीब 15 मिनट तक भालुओं से वह लड़ता रहा। भालुओं द्वारा उसपर तीनों तरह से हमला किए जाने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया और बेहोश हो गया। भालू उसे मरा समझ कर वहां से भाग गए। इधर कराहने की आवाज सुनकर परिजन पहुंचे तो वह अचेत पड़ा था। परिजन उसे उठाकर घर लाए और उसे इलाज के लिए कमलेश्वरपुर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया है।

शादी कर पढ़ा-लिखाकर डॉक्टर बनाने का आश्वासन देकर युवक किशोरी से करता रहा बलात्कार

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

शादी कर पढ़ा लिखाकर डॉक्टर बनाने का आश्वासन देकर युवक ने एक किशोरी से कई बार बलात्कार की घटना को अंजाम दिया है। मन भर जाने के बाद युवक किशोरी से शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी व उसका को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 363, 366, 376, (2) (एन) व 34 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र की एक किशोरी 11 वीं की छात्रा है। इसके पिता नहीं है। वह अपनी मां के साथ रहती है। इसके मोहल्ले का ही एक युवक ने किशोरी से शादी करने की बात कही। किशोरी द्वारा मना करने पर युवक किशोरी को शादी के बाद पढ़ा लिखाकर डॉक्टर बनाने का आश्वासन दिया। इसके बाद युवक किशोरी को कई बार घुमाने के बाहन मैनपाट रिसॉर्ट व शहर के एक होटल में लेजाकर बलात्कार किया। इस दौरान किशोरी को गाड़ी से लाने व पहुंचाने में युवक का दोस्त भी शामिल था। किशोरी से मन भर जाने के बाद युवक शादी करने से इंकार कर दिया। सदमे में आकर किशोरी ने आत्महत्या करने की कोशिया की पर परिजन ने उसे बचा लिया और आत्महत्या का कारण पूछने पर किशोरी ने सारी बात बताई। इसके बाद किशोरी के परिजन ने युवक के परिजन से बात की तो युवक के पिता ने शादी कराने के बजाए पीड़िता की मां को दस लाख रुपए देने और बिहार लेजाकर दूसरे युवक से शादी करा देने की बात कही। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी व उसका को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 363, 366, 376, (2) (एन) व 34 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के मामलों में कानून और सख्त बनाने को लेकर निकाली गई परिवर्तन रैली

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

मणिपुर में हुई घटना को लेकर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन जारी हे। इसी के तहत अंबिकापुर में सामाजिक परिवर्तन रैली के माध्यम से विजन समाज सेवी संस्था ने महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचार तथा हिंसा के मामलों पर कानून को और सख्त बनाने के लिए राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। विजन समाज सेवी संस्था की निर्देशिका शिल्पा पांडे के नेतृत्व में सामाजिक परिवर्तन रैली निकाली गई। इस रैली में शासकीय पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राएं, जन शिक्षण संस्थान के छात्र-छात्राएं, पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्र-छात्राएं, सिलाई सेंटर की समूह की महिलाएं, अंबिकापुर स्वयं सहायता समूह के दीदीया तथा स्वच्छता समिति के सदस्य सहित पीजी कॉलेज के एनसीसी के सक्रिय छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस दौरान शिल्पा पांडे ने बताया कि

महिलाओं के साथ हो रही हिंसा में कमी लाने के लिए कानून को और शक्ति से लागू करने तथा कानून का डर लोगों में उत्पन्न करने की जरूरत है। सामूहिक बलात्कार के मामलों में दोषियों को 15 दिवस के भीतर फांसी की सजा मिलने तथा महिलाओं के पक्ष में सुनिश्चित सुरक्षा कानून बनाए जाने की भी मांग ज्ञापन के माध्यम से की गई है। साथ ही मणिपुर हिंसा के दोषियों को भी शीघ्र फांसी की सजा दिलाए जाने की भी मांग की गई है। इस दौरान स्वच्छता समिति की अध्यक्ष शशि कला सिन्हा, पीजी कॉलेज से गायत्री एवं आकांक्षा, पॉलिटेक्निक कॉलेज के हर्षल यादव ने भी संबोधित किया। इस दौरान श्वेता गुप्ता, हल्कनिया, ज्ञान लता, ललिता, आसमा बेगम, उर्मिला यादव, सूर विल दास, गायत्री यादव , आकांक्षा टोप्पो, आस्था अग्रवा, संजना निकिता, संगीता गुप्ता, खुशबू यादव, राजू यादव, हर्षल यादव, राहुल चौहान, आशीष एनसीसी बेबी शर्मा, शिव कुमारी सोनी उपस्थित थे।

घर के दरवाजे को अंदर से बंदकर युवक ने लगा ली फांसी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

एक युवक घर का दरवाजा बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इधर उसकी पत्नी गुरुवार शाम से ही घर का दरवाजा खुलवाने की कोशिश कर रही थी। नहीं खोलने पर महिला पड़ोस के यहां रात में सो गई। सुबह भी दरवाजा खोलवाने की कोशिश की पर नहीं खोले जाने पर पड़ोसियों की मदद से दरवाजे को तोड़ा गया तो युवक फांसी पर लटका हुआ था। सूचना पर मणिपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतेजार कर रही है।

जानकारी के अनुसार कौशल केरकेट्टा पिता पारसनाथ केरकेट्टा उम्र 23 वर्ष मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कदमपारा ट्रांसपोर्टनगर का रहने वाला था। गुरुवार को पत्नी भारती बकरी चराने गए थे। दोपहर तीन बजे कौशल वापस घर आ गया था। शाम को जब इसकी पत्नी बकरी चारकार वापस

लौटी तो घर अंदर से बंद था। दरवाजा खोलवाने की कोशिश की पर अंदर से नहीं खोला। काफी देर बाद तक भी जब दरवाजा नहीं खोला गया तो महिला पड़ोस में ही रात में सो गई। शुक्रवार की सुबह भी महिला जब दावाजा खोलवाने की कोशिश की पर नहीं खोले जाने पर वह पड़ोसियों की मदद से दरवाजे को तोड़ा गया तो कैशल अंदर फंसी पर लटका था। सूचना पर मणिपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतेजार कर रही है।

जंगल से लकड़ी लेकर वापस लौट रहा युवक आया करंट की चपेट में,मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

जंगल से सिर पर लकड़ी का बंडल लेकर आ रहे युवक करंट की चपेट में आ गया। लकड़ी का बंडल तरंगित तार के संपर्क में आ गया था। इससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मंगेश्वर कंवर पिता सोधु राम उम्र 27 वर्ष कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भकुरा का रहने वाला था। वह 27 जुलाई की दोपहर लकड़ी लेने बांसाडांड़ जंगल गया था। जंगल से लकड़ी लेकर वापस लौट रहा था तभी जंगल में ही लकड़ी का बंदल तरंगित तार के संपर्क में आ गया। इससे करंट की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस मामले की जांच की। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है।

बाइक से गिरने से घायल महिला की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

बेटे के साथ बाइक से रिश्तेदारी में जा रही महिला बाइक से गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शांति गुप्ता पति नरेश गुप्ता उम्र 40 वर्ष बलरामपुर जिले के धनोरा की रहने वाली थी। वह 27 जुलाई को बेटा राजू के साथ बाइक से रिश्तेदारी में पस्ता जा रही थी। रास्ते में पस्ता मेन रोड स्थित बरियों बाजार के पास बाइक सडक़ पर बने गड्ढे में जाने से पीछे बैठी महिला गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए पस्ता अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया। यहां भी प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विभिन्न मुद्दों को लेकर एनएसयूआई ने कुल सचिव को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
अंबिकापुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

एनएसयूआई सरगुजा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष और प्रतिनिधि मंडल द्वारा संत गहीरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा के कुलपति को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के कई समस्याओं को लेकर अपनी मांग रखी तथा मांगे पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। हेल्प लाइन बंद होने से आए दिन छात्र-छात्राओं को समस्याओं का सामाना करना पड़ रहा है। विश्वविद्यालय में संचालित फार्मेसी के शिक्षक द्वारा कक्षा में पढ़ाने के बजाए विश्वविद्यालय में बैठ कर टाइम पास किया जा रहा है। इस पर

भी कार्यवाही की मांग छात्र-छात्राओं के द्वारा किया गया है।

इस दौरान एनएसयूआई सरगुजा के पूर्व जिला उपाध्याक्ष सुरेंद्र गुप्ता, गौतम गुप्ता, आकाश यादव, ज्ञान तिवारी, संजर नवाज़, गगन निगम, देववशिष्ठ बघेल, मुनेश्वर, विनय बघेल, आशीष तिग्गा, सूरज कुशवाहा, राजेश काटले, राहुल, ओमकार दुबे, राजसाह, लव पैकरा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय में वायु सेना के अधिकारियों के द्वारा रोजगार परामर्श किया गया आयोजित

-संवाददाता-
लखनपुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

28 जुलाई दिन शुक्रवार को लखनपुर स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्र छात्राओं के लिए वायु सेना के अधिकारियों के द्वारा रोजगार परामर्श आयोजित किया गया था जिसमें वायुसेना के अधिकारी सुशांत कुमार सिंह डीके सिंह श्री लुहा जो भोपाल में पदस्थ हैं। उन्होंने विद्यालय प्रांगण में दृश्य श्रव्य माध्यम से छात्रों को अग्निवीर में शामिल होने के लिए विस्तृत जानकारी दी।

अग्निवीर में चयनित होने के लिए वांछित, शैक्षणिक योग्यता ,आयु तथा अन्य चयन के इस स्तरों को विस्तार से समझाया तथा 4 वर्ष की सेवा के पश्चात उन्हें मिलने वाले लाभ से भी अवगत कराया। उन्होंने छात्रों के पूछे गए सवाल का भी उत्तर दिया। परामर्श के अंतिम कड़ी में उन्होंने छात्रों को अलग-अलग सवाल पूछे और उन्हें पुरस्कृत भी किया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार वर्मा सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने रोजगार परामर्श में अपना सहयोग दिया।

वृक्ष मित्र कार्यक्रम के तहत रोपे गए 250 पौधे

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

भाजपा जिला मंत्री सरगुजा इंदर भगत के नेतृत्व में वृक्ष मित्र कार्यक्रम पूरे लुंड्रा विधानसभा में चलाया जा रहा है। जिसके तहत ग्राम सकालो के 24 समूहों के ग्राम संगठन नया सवेरा आजीविका के लगभग 100 महिलाओं द्वारा 250 से अधिक वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान इन्दर भगत ने पेड़ - पौधों का हमारी संस्कृति में और हमारे दैनिक जीवन में विशेष महत्व के बारे में बताया। उन्होंने पेड़-पौधों को एक मां का दर्जा दिया, जिस प्रकार मां अपने बच्चों का पालन पोषण एवं सूख सुविधाओं का ध्यान रखती है उसी प्रकार हमारे

बीच एक पेड़ एक मां की तरह हमारा ध्यान रखते हैं। इस दौरान सरपंच पूनम सिंह टेकाम, इंद्रदेव सिंह भंडारी, सुमित गुप्ता, प्रशांत गोलदार, विजय मिस्त्री, अविनाश चंदेल, अमृत, तपन, महिला समूह की महिलाएं एवं अध्यक्ष कल्पना सिंह, सचिव इलिमा राय, कोषाध्यक्ष नंदिनी, अनुराधा पैकरा, दिव्या, अनीता, कामिनी, मानवत्ति ,ज्योति, चंचला राय, दीपा मंडल, भगवती, प्रमिला, कुमारी बाई, रीना, यशोदा, पान कुंवर, निर्मला, गीता, दीपाली, अनीता, मनीला, सीखा गाईन, शांति, इंद्र कुंवर, मुन्नी, चंपा, कविता, कंचन, कलावती, ललिता, पुष्पा, सुभद्रा, सुमित्रा समस्त समूहों के महिला सदस्य भी उपस्थित रहे।

सिकलिन पीड़ित बालिका की मौत

-संवाददाता-
अंबिकापुर, 28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

सिकलिन पीड़ित बालिका की मौत हो गई। उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार मनीषा दास पिता धनेश्वर दास उम्र 12 वर्ष सीतापुर थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। वह पूर्व से सिकलिन बीमारी से पीड़ित थी। इसका इलाज चल रहा था। अचानक गुरुवार को किशोरी का तबियत विगड़ जाने पर परिजन उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल अंबिकापुर लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

संविदा कर्मचारियों को ड्यूटी पर लौटने की 3 दिन का अल्टीमेटम

क्रोधित संविदा कर्मचारी ड्यूटी पर लौटने से किया इंकार,ज़िलें के सभी संविदा कर्मचारियों के द्वारा मांगे पूरी नहीं होने तक कार्यालय नहीं जाने ली शपथ

-संवाददाता-
सूरजपुर, 28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

छग सर्व संविदा कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर संविदा कर्मचारियों द्वारा अपनी एक सूत्री मांग नियमितीकरण को लेकर 03 जुलाई 2023 से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर है। आज 45000 से अधिक संविदा कर्मचारियों की आंदोलन 26 वे दिन भी जारी है। आपको बता दे कि राज्य सरकार के द्वारा हड़ताली संविदा कर्मचारियों पर एस्मा लगाकर 3 दिवस में कार्य पर उपस्थित होने हेतु विभाग प्रमुख द्वारा निर्देशित किया गया है। सरकार के द्वारा एस्मा लगाने से समस्त संविदा कर्मचारी क्रोधित है और अपने कार्य पर उपस्थित होने से इनकार किया, आज सूरजपुर जिले के समस्त संविदा कर्मचारियों के द्वारा ड्यूटी पर नहीं जाने की लिए ली शपथ। जिला संयोजक ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा की जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होती है तब तक हम अपने कार्य पर नहीं लौटेंगे इसके लिए हमे कोई भी कीमत चुकानी पड़े। ऐसा हम इसलिए कह रहे है चुंकि यह पहला मामला होगा कि किसी भी कर्मचारी संगठन ने इससे पहले इतना बड़ा कदम उठाया हो। छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के कार्यकारी जिलाध्यक्ष बृजलाल पटेल ने बताया कि संविदा कर्मचारियों को नियमितीकरण नही करने एवं कर्मचारियों पर एस्मा कानून लगाये जाने पर महासंघ घोर निंदा करता है। कांग्रेस सरकार ने अपने जन घोषणा पत्र में यह वादा किया गया था, कि समस्त संविदा कर्मचारियों की नियमितीकरण एवं किसी भी संविदा कर्मचारी की छटनी नहीं की जाएगी , किंतु इसके विपरीत कड़ा दंडनात्मक कार्रवाई की जा रही है। हमारी एक सूत्रीय मांग चुनावी जन घोषणा पत्र को आत्मसात करते हुए समस्त संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जावे। महासंघ के जिला प्रवक्ता तोपान सिंह दायमा एवं मनोज जायसवाल ने कहा कि सरकार की कथनी और करनी से हमे फर्क नही पड़ता यह कर्मचारी जगत के लिए संवेदनहीनता की पराकाष्ठा वाला आदेश है हम समस्त कर्मचारी जगत से इसके विरोध में सड़क की लड़ाई लड़ने के लिए अपील करते हैं,यह आंदोलन बिना लक्ष्य पूर्ति के समाप्त नहीं होने वाला है।

महासंघ के जिला संयोजक ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि ÷कांग्रेस सरकार द्वारा अपने घोषणा पत्र में यह वादा किया गया था कि हमारी सरकार बनते ही 10 दिन में सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित कर दिया जाएगा. सत्ता में आने के बाद अब साढ़े 4 साल बीत जाने के बाद भी संविदा कर्मचारी को नियमित नहीं किया गया है।

जिशान खान बने प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश सचिव

-संवाददाता-
प्रतापपुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के द्वारा पूरे प्रदेश में प्रदेश कार्यकारिणी की नियुक्ति की गई, वही सूरजपुर जिला के युवा नेतृत्व युवा तुर्क जीशान खान को अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव के पद पर प्रदेश प्रभारी निजामुद्दीन राईन ने प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ आमीन मेमन की अनुशंसा पर नियुक्त किया गया, जीशान खान जो कि एक सामाजिक कार्यकर्ता सरगुजा संभाग में अल्पसंख्यक समुदाय में एक अच्छी पकड़ रखते हैं जिनके नियुक्ति से अल्पसंख्यकों में काफी हर्ष है, निश्चित ही इनकी नियुक्ति से कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ सरगुजा संभाग में मजबूती मिलेगी.. नियुक्ति के बाद जीशान खान ने कहा कि आने वाले 2023 के विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नेतृत्व में एक बार पुनः कांग्रेश परचम लहराए गी और छत्तीसगढ़ में किसानों मजदूरों युवाओं की सरकार आएगी कांग्रेस पार्टी के मजबूती के लिए हम निरंतर प्रयासरत रहेंगे अल्पसंख्यक समुदाय के साथ-साथ हर वर्ग के लोगों तक भूपेश बघेल की जनहित जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार

ब्राजील की जेल में दंगा भड़कने से पांच कैदियों की मौत

ब्रासीलिया । ब्राजील की जेल में दंगा भड़कने से 5 कैदियों की मौत हो गई है, जबकि अन्य कैदी घायल हो गए। ब्राज़ीलियाई राज्य क्रे की एक जेल में दिन भर चले दंगे के कारण यहां की सारी व्यवस्थाओं की पोल खुल गई है। हालांकि जेल सूत्रों ने यह जानकारी दी है। क्रे स्टेट सेक्रेटेरिएट ऑफ जस्टिस एंड पब्लिक सिक्योरिटी के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार रियो ब्रैंको शहर की एंटोनियो अमारो अल्वेस जेल में बुधवार सुबह दंगा भड़क गया। यह दंगा उस समय भड़का जब 13 कैदियों ने भागने की कोशिश की और जेल गार्डों ने जेल के बाहर उन्हें पकड़ लिया। इसके बाद कैदियों ने दो गार्डों को बंधक बना लिया। एक गार्ड भागने में सफल रहा, जबकि दूसरे को गुरुवार सुबह तक कैदियों ने पकड़ रखा था। हालांकि, अधिकारियों ने दंगा शांत कर दिया है। पीड़ितों की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है। पुलिस ने जेल के अंदर से 15 हथियार बरामद किए और जांच की जा रही है कि हथियारों की तस्करी कैसे की गई। गौरतलब है कि 15 साल पहले निर्मित, अधिकतम सुरक्षा वाली एंटोनियो अमारो अल्वेस जेल में 99 कैदी हैं, जो सभी आपराधिक संगठनों में शामिल हैं।

सिंगापुर में मादक पदार्थों की तस्करी मामले में महिला को फांसी

कुआलालंपुर। सिंगापुर में नशीले पदार्थों से संबंधित अपराधों के लिए मृत्युदंड को बंद करने के आह्वान के बावजूद सिंगापुर ने 19 वर्ष में पहली बार किसी महिला को मादक पदार्थों की तस्करी के अपराध में शुक्रवार को फांसी दी है। मादक पदार्थों की तस्करी के अपराध में इस सप्ताह यह दूसरी फांसी होगी। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि अन्य फांसी अगले सप्ताह दी जाएगी। सिंगापुर के केंद्रीय स्वापक ब्यूरो ने कहा कि सरिदेवि दिजमानी (45) को 2018 में करीब 31 ग्राम डाईमॉर्फिन या विशुद्ध हेरोइन की तस्करी के अपराध में यह सजा सुनाई गई। बयान में कहा गया कि मादक पदार्थ की इतनी मात्रा एक सप्ताह तक 370 लोगों के नशे की लत को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। सिंगापुर के कानून में 500 ग्राम से अधिक गांजा और 15 ग्राम से अधिक हेरोइन की तस्करी के दोषी व्यक्तियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है। दिजमानी की फांसी से दो दिन पहले ही मोहम्मद अजीज हुसैन (56) को करीब 50 ग्राम हेरोइन की तस्करी के अपराध में फांसी दी गई थी।

ईस्टर हमले मामला :11 इस्लामी समूहों में से पांच से प्रतिबंध हटा

कोलंबो । श्रीलंका ने चार साल से अधिक समय पहले ईस्टर हमले के सिलसिले में आतंकवाद कानून के तहत प्रतिबंधित 11 इस्लामी समूहों में से पांच पर से प्रतिबंध हटाया है। श्रीलंकाई रक्षा मंत्री के रूप में राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे द्वारा आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पीटीए) के तहत जारी प्रतिबंध को हटाने के लिए गजट जारी किया। ईस्टर रविवार हमले की दूसरी बरसी से एक सप्ताह पहले 13 अप्रैल, 2021 को पीटीए के तहत चरमपंथी संगठनों पर प्रतिबंध धारा के तहत प्रतिबंध जारी किया है। राष्ट्रपति ने यूनाइटेड तौहीद जमात (यूटीजे), सीलोन तौहीद जमात (सीटीजे), श्रीलंका तौहीद जमात (एसएलटीजे), ऑल सीलोन तौहीद जमात (एसीटीजे), सुन्नथुल मोहोमादिया और जमियाथुल अंसारी पर लगे प्रतिबंध को रद्द कर दिया। कैथोलिक चर्च और लोगों द्वारा 19 अप्रैल 2019 को राजधानी कोलंबो में तीन चर्चों और तीन स्टार्ट-क्लास होटलों पर पहली बार समन्वित आत्मघाती बम हमलों के खिलाफ कार्रवाई की मांग के दबाव के बीच राष्ट्रपति गोटबाया ने संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया था। हमलों में विदेशियों सहित लगभग 270 लोग मारे गए और 500 से अधिक घायल हो गए। हमलों की जांच स पता चला कि भारत की खुफिया सेवाओं ने हमलों से दो सप्ताह से अधिक पहले श्रीलंकाई खुफिया नेताओं को हमले के विवरण के साथ सतर्क कर दिया था, लेकिन श्रीलंकाई समकक्ष उन पर कार्रवाई करने में विफल रहे थे। श्रीलंका के सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना और चार अन्य वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों को हमलों को रोकने में उनकी लापरवाही के लिए दोषी पाया।

तूफान की चपेट में आने से नाव डूबी, 30 की मौत, 40 यात्रियों को सुरक्षित निकाला

मनीला । भयंकर तूफान की चपेट में आने से एक नाव डूब गई, जिसमें सवार 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि अनेक लोग अभी भी लापता हैं। मिली जानकारी के अनुसार फिलीपीन की राजधानी मनीला के पास गुरुवार को एक झील में नाव पलट गई थी। जानकारी के अनुसार, इस हादसे में 40 यात्रियों को बचा लिया गया है, जबकि कइयों के ढूंढ़ने का प्रयास जारी है। बताया जा रहा है कि नाव तेज हवाओं के कारण रिजाल प्रांत के बिननगोनन के पास लागुना डी खाड़ी में डूब गई। फिलीपीन तट रक्षक (पीसीजी) ने कहा कि एमबीसीए प्रिंसेस अया बिननगोनन बंदरगाह से लगभग 50 गज की दूरी पर यह नाव पलट गई। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना रात करीब 1 बजे हुई जब मोटर चालित नाव तेज हवाओं से टकरा गई, जिससे यात्री घबरा गए और बंदरगाह की ओर समूह बनाकर चले गए, तभी यह नाव पलट गई। बता दें कि फिलीपीन इस समय शक्तिशाली तूफान डोक्सुरी फिलीपींस से गुजर रहा है। हालांकि फिलहाल बचाए गए व्यक्तियों और हताहतों की संख्या को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है और अभी भी जांच की जा रही है। फिलीपीन तट रक्षक (पीसीजी) के एक अधिकारी ने कहा कि बचाए गए और हताहतों की संख्या अभी तक नहीं गिनी गई है, क्योंकि इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। गौरतलब है कि इस साल मार्च में भी फिलीपींस के दक्षिणी बंगसामोरो क्षेत्र के बेसिलन प्रांत में बड़ा हादसा हुआ था। इस हादसे में एक नाव में आग लगने से कम से कम 31 लोगों की जान चली गई थी।

मुहर्रम से पहले धार्मिक स्थल के पास बम विस्फोट, 6 लोगों की मौत

सीरियाई राज्य मीडिया ने बताया कि 27 जुलाई को सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिण में सैयदा ज़ैनब तीर्थ शहर के बाहर एक वाहन में रखा गया बम विस्फोट हो गया, जिसमें कई लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए। सीरियाई राज्य टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में एक जली हुई कार और पास की एक क्षतिग्रस्त इमारत पर पानी छिड़कते हुए दिखाया गया है। एक निवासी ने रॉयटर्स को बताया कि उसने शाम करीब साढ़े पांच बजे एक जोरदार विस्फोट सुना। (1430 जीएमटी), जिसके बाद सुरक्षा बलों ने इलाके को सील कर दिया। इस सप्ताह दरगाह पर यह दूसरा हमला था। मंगलवार को एक अलग विस्फोट में दो लोग घायल हो गये। यह तीर्थस्थल के लिए उच्च मौसम है क्योंकि शिया मुसलमान आशूरा के शोक की अवधि को चिह्नित करने के लिए वहां आते हैं। गुरुवार को हुए हमले की जिम्मेदारी का तत्काल कोई दावा नहीं किया गया। इस्लामिक स्टेट समूह ने साइट पर पिछले हमलों का दावा किया है। 2017 में एक हमले में कम से कम 40 लोग मारे गए।

गर्मी में शरीर को ठंडा रखेगी फैन जैकेट

टोक्यो । जापान में गर्मी से बचने के लिए एक ऐसी जैकेट तैयार की गई है। जो 60 घंटे तक भीषण गर्मी से बचाने के लिए उपयोगी होगी। एयर कंडीशंड जैकेट का नाम फैन जैककोटो रखा गया है। इसके अंदर चारों और पंखे लगे हुए हैं। इसे पहनने वाला अपनी इच्छानुसार तापमान सेट कर सकता है। जैकेट के अंदर ऑटोमेटिक तरीके से तापमान को नियंत्रित किया जाता है। एक बार बैटरी चार्ज करने में इसे 60 घंटे तक चलाया जा सकता है।

यूनान में जंगल की आग बुझाने के लिए जहाज से पानी की बौछारें की गयीं।

चीन के स्टेपल वीजा पर थरूर ने बोला, तिब्बत से आवेदकों के साथ भी हमें ऐसा ही करना चाहिए

नई दिल्ली। चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के तीन खिलाड़ियों को स्टेप्ल वीजा दिए जाने पर भारत-चीन के बीच ताजा कूटनीतिक टकराव के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत को तिब्बत से भारतीय वीजा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ ऐसा ही करना चाहिए। चीन के इस कदम का नई दिल्ली ने कड़ा विरोध दर्ज कराया और कहा कि अरुणाचल के खिलाड़ियों को स्टेपल वीजा जारी करना अस्वीकार्य है। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने ट्वीट करते हुए कहा कि बहुत हो गया। शशि थरूर ने कहा कि अब बहुत हो गया है। अपने खिलाड़ियों और चीनी वीजा चाहने वाले हर दूसरे अरुणाचली को निराश करने के बजाय, हमें तिब्बत से भारतीय वीज़ा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति को स्वयं स्टेपल वीज़ा जारी करना शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम तब तक ऐसा करना जारी रखेंगे जब तक कि तिब्बत और भारत के बीच विवादित सीमा का समाधान नहीं हो जाता। स्टेपल्ड वीज़ा दर्शाता है कि चीन अरुणाचल प्रदेश पर भारत की संप्रभुता को मान्यता नहीं देता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत ऐसी कार्रवाइयों पर उचित प्रतिक्रिया देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। अरुणाचल प्रदेश से संबंधित तीन एथलीटो, को चीनी अधिकारियों द्वारा स्टेपल वीजा दिया गया। स्टेपल्ड वीज़ा जारी करना भारत-चीन संबंधों में विवाद का विषय रहा है। चीन, जिसने बार-बार अरुणाचल प्रदेश पर क्षेत्रीय दावे किए हैं।

थमेंगी जंग, दोस्त बनेंगे जेलेंस्की और पुतिन, युद्ध खत्म करने के प्रस्ताव पर रूस कर रहा है मंथन

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच जंग को डेढ़ बरस से ज्यादा गुजर चुके हैं। तबाही का मंजर यूक्रेन को देखना पड़ा है वहीं बर्बादी रूस की भी बहुत हुई है। मॉस्को ने जब कीव के खिलाफ एलान-ए-जंग किया था तो राष्ट्रपति पुतिन को भी ये अंदाजा नहीं होगा कि यूरोपीय देशों के समूह से सीधी टक्कर लेने वाले रूस से मुकाबले में यूक्रेन इतने दिनों तक टिका रह जाएगा। लेकिन अमेरिका और नाटो देशों के सहयोग से न केवल यूक्रेन अभी तक जंग में डटा हुआ है बल्कि मुंहतोड़ जवाब देता भी नजर आ रहा है। दुनिया के तमाम देशों की

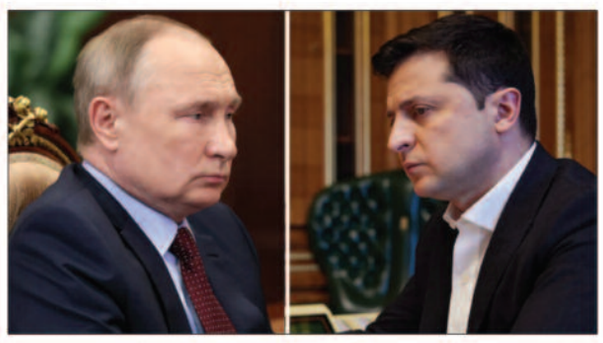

तरफ से इस युद्ध को खत्म करवाने की भी कोशिश हुई। भारत ने रूसी राष्ट्रपति को दो टूक कहा भी कि ये युद्ध का दौर नहीं है। वहीं चीन की तरफ से भी मध्यस्थता की बात कही जाती रही है।

इसी बात रूस यूक्रेन जंग को लेकर पुतिन ने बड़ा बयान दिया है। पुतिन ने कहा है कि रूस यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए अफ्रीकी प्रस्तावों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अफ्रीकी नेताओं से कहा कि मास्को यूक्रेन पर उनके शांति प्रस्ताव का सम्मान करता है और उसका सावधानी पूर्वक अध्ययन कर रहा है। डेढ़ साल से ज्यादा समय से रूस और यूक्रेन के बीच जंग चल रही है और अफ्रीकी समुदाय की ओर से जो अपील की गई है। रूस ने कहा है कि वो इस पर सावधानीपूर्वक अध्ययन कर रहा है।

शहबाज के करीबी का खुलासा, भारत के पंजाब में पाकिस्तान ड्रोन से गिरा रहा ड्रग्स

लाहौर (एजेंसी)। भारत के सीमाप्रांत पंजाब में पाकिस्तान ही ड्रोन से ड्रग्स गिरा रहा है। इसका खुलासा पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के करीबी और सरकार में एक बड़े पद पर तैनात नेता ने किया है। उन्होंने एक टीवी चैनल को बताया कि पाकिस्तानी तस्कर सीमा पार से भारत में ड्रग्स भेजने के लिए ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं। यह पहली बार है कि जब पाकिस्तान के किसी बड़े पद पर बैठे शख्स ने कैमरे के सामने कबूल किया कि पाकिस्तानी तस्कर नशीले सामान भारत के इलाके में डालने के लिए हाई-टेक साधनों का उपयोग कर रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष रक्षा सहायक मलिक मोहम्मद अहमद खान ने भारत के पंजाब की सीमा से लगे कसूर शहर में वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर को दिए एक इंटरव्यू में यह बात कही। खान कसूर से प्रांतीय विधानसभा (एमपीए) के सदस्य भी हैं। 17 जुलाई को ट्वीट किए गए एक वीडियो में खान से हामिद मीर कसूर में सीमा पार से हो रही नशीले पदार्थों की तस्करी पर एक सवाल पूछते नजर आ रहे हैं। जिस पर खान सहमति जताते दिखाई दे हैं।

जवाब देते हुए खान ने कहा कि 'हां, और यह बहुत डरावना है। हाल ही में दो घटनाएं हुई हैं। जिनमें हर ड्रोन में 10 किलोग्राम हेरोइन बांधकर बाहर फेंक दी गई थी। एजेंसियां इसे रोकने की कोशिश कर रही हैं।' बताया जाता है कि मलिक मोहम्मद अहमद खान कसूर से एमपीए हैं और वह पाकिस्तान में राजनीतिक और सैन्य प्रतिष्ठान के बहुत करीब हैं। वह पिछले सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा और सेना के मौजूदा जनरलों के भी बहुत करीब हैं। इस वीडियो को कैप्शन देते हुए मीर ने बाद में लिखा कि 'पीएम के सलाहकार मलिक मुहम्मद अहमद खान द्वारा बड़ा खुलासा। तस्कर हेरोइन पहुंचाने के लिए पाकिस्तान-भारत सीमा के पास कसूर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिए विशेष पैकेज की मांग की, अन्यथा पीड़ित तस्करों से जुड़ जाएंगे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान के पंजाब का कसूर जिला भारत के पंजाब के खेमकरण और फिरोजपुर के ठीक सामने है। पंजाब पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अकेले फिरोजपुर जिले में जुलाई 2022-2023 तक एनडीपीएस अधिनियम के तहत 795 एफआईआर दर्ज की गईं। आंकड़ों से पता चलता है कि ज्यादातर ड्रग्स पंजाब के उन जिलों से जब्त की गईं जो पाकिस्तान की सीमा से लगे हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की दूत रुचिरा कंबोज ने संभाला सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र का अध्यक्ष पद

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र का अध्यक्ष पद संभाल लिया। सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र का अध्यक्ष पद संभालने के बाद कंबोज ने बृहस्पतिवार को एक ट्वीट में कहा, ''भारत इसका अध्यक्ष बन कर गर्व महसूस कर रहा है और अपने मूल सिद्धांतों के साथ नेतृत्व करने, वैश्विक समुदाय के कल्याण और समृद्धि के लिए लगन से काम करने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ है।'' संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने एक बयान में कहा कि कंबोज ने जो पद संभाला है उसके तहत उनकी भूमिका सामाजिक विकास मामलों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। स्थायी मिशन के बयान में कहा गया है कि इस साल 15 फरवरी को सामाजिक विकास आयोग के 62वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में भारत का चुनाव एक ''महत्वपूर्ण अवसर'' है क्योंकि 1975 के बाद यह पहली बार है कि भारत ने सामाजिक विकास आयोग के भीतर यह पद संभाला है।

अंजू का छलका दद...मुझे आने लायक नहीं छोड़ा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वां पहुंची अंजू ने फिर भारतीय मीडिया से बात की है। अंजू ने जो कुछ कहा है उसके बाद लगता है कि वह वापस लौटने का इरादा छोड़ चुकी हैं। अंजू का कहना हैं कि भारत आने पर उसकी गारंटी कौन लेगा। उनके जवाबों से लगता है कि उन्हें भारत लौटने के बाद अपनी जान का डर सता रहा है।

अंजू ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उनके बारे में तरह-तरह की बातें हो रही हैं। अब न उनके रिश्तेदार उन्हें स्वीकार करने वाले हैं, और न ही उनके बच्चे उन्हें अपनाएंगे। अंजू ने साफ कहा है कि वह पाकिस्तान में पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उनके ऊपर नसरुल्ला या फिर किसी और का कोई दबाव नहीं है और वह पूरी आजादी के साथ रह रही हैं। अंजू की मुलाकात फेसबुक पर खैबर पख्तूनख्वां के रहने वाले नसरुल्ला से हुई थी। वह पिछले दिनों एक महीने के वैध वीजा पर पाकिस्तान पहुंची हैं। अंजू को 20 अगस्त को वापस आना था लेकिन अब लगता है कि वह भारत नहीं लौटेंगी। भारत में अंजू के पिता ने उनसे सारे संबंध खत्म करने की बात कही है।

अंजू से पूछा गया था कि वह दो दिन में भारत लौटने वाली थी, तब अब उसका क्या हुआ? इस पर अंजू ने कहा, आप लोग मेरे बारे में क्या-क्या कह रहे हैं। मुझे आने लायक नहीं छोड़ा हैं। वहां पर कौन मेरी गारंटी लेगा। न मेरे रिश्तेदार मुझे स्वीकार करने वाले हैं, और न ही बच्चे अपनाएंगे तब बताइए मैं कहां जाऊंगी।

उनके बारे में सोशल मीडिया पर काफी कुछ कहा जा रहा है। उन्होंने धमकाने वाले अंदाज में कहा कि वह अभी भारत की ही हैं और यह न समझा जाए कि वह कुछ नहीं कर सकती हैं। उनके शब्दों में, मैं सबको बता दूंगी कि मैं क्या कर सकती हूं। जब अंजू से पूछ गया कि वह पाकिस्तान जाकर छुप गई और सारा आरोप मीडिया पर लगा रही हैं? अंजू ने जवाब दिया कि कौन पाकिस्तान नहीं आता है? क्या टूरिस्ट्स इस देश में नहीं आते हैं। जब वहां सब आते हैं, तब अगर वह पाकिस्तान आ गईं, तब कौन सी आफत आ गई।

रूस-अफ्रीका सम्मेलन को संबोधित कर पुतिन ने कहा, हमारी कोशिश दुनिया में खाद्यान्न संकट पैदा ना हो

मास्को (एजेंसी)। रूस को बाकी दुनिया से अलग रखने की अमेरिका और पश्चिमी देशों की मंशा को जोरदार झटका लगा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सेंट पीटर्सबर्ग में 27-28 जुलाई को रूस-अफ्रीका सम्मेलन का आयोजन चल रहा है। रूस करीब 50 अफ्रीकी देशों की मेजबानी कर रहा है, जो कृषि उत्पादों और सुरक्षा के लिए रूस पर अत्यधिक निर्भर हैं। रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग के बाद ये पहली दफा है, जब इतनी बड़ी तादाद में तमाम मुल्कों के राष्ट्राध्यक्षों का जुटान हो रहा है। इसके पहले अक्टूबर 2019 में पहला रूस अफ्रीका सम्मेलन हुआ था।

पहली बार पुतिन ने जुलाई 2018 में जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स के नेताओं की बैठक के दौरान रूस अफ्रीकी सहयोग के लिए एक मंच बनाने के विचार को साझा किया था। 24 अक्टूबर 2019 को रूस और अफ्रीकी देशों की एक संयुक्त विज्ञप्ति के तहत रूसी अफ्रीकी संबंधों के विकास के समन्वय के उद्देश्य से रूस अफ्रीका साझेदारी फोरम की स्थापना की गई। पुतिन ने ज्यादातर अफ्रीकी देशों के नेताओं और अधिकारियों से कहा कि उनका देश इस बात की पूरी कोशिश कर रहा है कि दुनिया में खाद्यान्न संकट पैदा न हो। यूक्रेन से खाद्यान्न आपूर्ति की खेप की आवाजाही की अनुमति देने वाले समझौते से रूस के बाहर होने के बाद पूरी दुनिया में खाद्यान्न

संकट पैदा होने और अनाज के दाम बढ़ने की आशंका है। पुतिन ने उद्घाटन सत्र में यह बात कही। हालांकि, 2019 के मुकाबले सम्मेलन में भाग ले रहे अफ्रीकी देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकारी अधिकारियों की संख्या काफी कम थी। पुतिन ने कहा कि हमारा देश अपनी मानवीय आपूर्ति के माध्यम से जरूरतमंद देशों और क्षेत्रों की सहायता करना जारी रखेगा। हम संसाधनों के संतुलित वितरण की निष्पक्ष प्रणाली बनाने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं। दुनिया में खाद्यान्न संकट पैदा न हो, हम इसकी पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी कह चुका हूं कि हमारा देश यूक्रेन के अनाज का विकल्प बन सकता है, फिर चाहे पर व्यावसायिक श्रेणी में हो या फिर जरूरतमंद अफ्रीकी देशों को सहायता देने के रूप में। खास तौर से इस साल जब फिर से हम रिकॉर्ड मात्रा में फसल होने की अपेक्षा कर रहे हैं।

पिछले माह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस सहित जी 20 के तमाम सदस्य देशों को पत्र लिखकर अफ्रीकी यूनियन को जी20 में शामिल करने का प्रस्ताव दिया था। इस साल भारत जी20 की अध्यक्षता कर रहा है। रूस ने भारत के इस पहला पर अपना समर्थन जताया था।

बड़ी तादाद में कुरान जलाने की कोशिश, विरोधकर्ताओं ने सरकार से मांगी इजाजत

-सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी, स्वीडन के पीएम क्रिस्टर्सन ने 15 एजेंसियों को किया अलर्ट

स्टॉकहोम (एजेंसी)। स्वीडन में लोग बड़ी तादाद में कुरान जलाने के लिए सरकार से अनुमति मांग रहे हैं। इससे देश की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि आतंकी हमले भी हो सकते हैं। गौरतलब है कि स्वीडन में एक के बाद एक कुरान जलाने की घटनाओं के बाद पहले से ही देश में तनाव है। इसके बीच ही मुसलमानों के पवित्र ग्रंथ को जलाने के लिए कई और लोगों ने अनुमति मांगी है। इस पर प्रधानमंत्री डलफ क्रिस्टर्सन ने कहा है कि भारी संख्या में लोगों ने इस ग्रंथ का अपमान करने के लिए आवेदन किया है। इसके बाद से ही क्रिस्टर्सन देश की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा है कि अगर देश में कुरान को लेकर और ज़्यादा विरोध हुआ तो फिर इसके नतीजे गंभीर हो सकते हैं। इसके बाद से ही देश को अलर्ट पर रखा गया है। इधर स्वीडिश पीएम क्रिस्टर्सन ने कहा कि अगर इन लोगों को मंजूरी दी गई तो फिर हमें कुछ ऐसे दिनों का सामना करना पड़ेगा जहां कुछ बड़ी घटना होने का खतरा बढ़ जाएगा। मैं इस बात को लेकर बेहद चिंतित हूं कि इसका क्या परिणाम हो सकता है। कुरान के अपमान से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद देश में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। देश की सरकार ने स्वीडन में आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 15 सरकारी एजेंसियों को निर्देश दिए हैं।

बताया जा रहा है कि कुरान जलाने की वजह से स्वीडन का कई मध्य पूर्वी देशों के साथ तनाव बढ़ गया है। पीएम क्रिस्टर्सन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि हाल की विनाशकारी घटनाओं, विशेष रूप से आगजनी, ने स्वीडन के लिए जोखिम बढ़ा दिया है। स्वीडिश सिक्योरिटी सर्विस के अनुसार, हम आतंकी हमलों का अब प्राथमिक लक्ष्य बन गए हैं। उन्होंने आगे लिखा है कि इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि स्थिति बहुत गंभीर है। स्वीडन की सशस्त्र सेनाओं, कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों और स्वीडिश टैक्स एजेंसी सहित 15 सरकारी एजेंसियों को सिक्योरिटी सर्विस की अगुवाई में अपने काम को तेज करने का जिम्मा सौंपा है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में न्याय मंत्री गुन्नार स्ट्रोमर ने कहा कि यह कदम स्वीडन में आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद को रोकने और उसे बाधित करने की क्षमता को मजबूत करने का प्रयास करेगा। स्वीडन में हाल के कुछ हफ्तों में कई विरोध प्रदर्शन हुए हैं जहां कुरान की कई कॉपियों को या तो नुकसान पहुंचाया गया है या फिर उन्हें जला दिया गया है। इन घटनाओं की वजह से मुसलमानों में नाराजगी है। यह घोषणा स्वीडन की सरकार द्वारा यह कहे जाने के एक दिन बाद आई है कि देश दुष्प्रचार अभियानों का लक्ष्य बन गया है। देश के विदेश मंत्री टोबियास बिलस्ट्रॉम ने कहा है कि स्वीडन का कानून कुरान जलाने की मंजूरी नहीं देता है या इसकी निंदा नहीं करता है।

सरकारी कर्मचारियों के ऊपर नियम की कई पाबंदियां पर क्या उन पाबंदियों के बेड़ियों को तोड़कर उन्हें राजनीति ही करना है?

एक शिक्षिका को राजनीतिक दल के साथ उसके झंडे के नीचे विरोध प्रदर्शन की अनुमति है तो फिर अन्य कर्मचारियों के लिए पाबंदियां क्यों?

» सरकारी कर्मचारी भी राजनीतिक कार्यक्रमों में करने लगे शिरकत

» सत्ता का नशा इस कदर चढ़ा है कि अपनी पाबंदियों को भी नजरअंदाज कर रहे हैं कर्मचारी

» कहीं शिक्षक ही विधायक मंत्रियों के यहां निज सचिव,कहीं विधायक महापौर के साथ पार्टी कार्यक्रम में शिक्षक रह रहे मौजूद

» कुल मिलाकर सत्ता का जितना हो सकता है दुरुपयोग वह जारी है,कर्मचारियों को ही अब भीड़ बनाकर नेता कर रहे नेतागिरी

-रवि सिंह-

एमसीबी,28 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कर्मचारियों के लिए राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होना पूरी तरह वर्जित रहता है और इसके लिए बकायदा कानून है नियम है जिसके तहत यदि वह राजनीतिक कार्यक्रमों में शिरकत करते पाए जाते हैं तो उनके ऊपर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाति है और कई बार उनकी नौकरी भी छीन ली जाती है, यदि वह राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल पाए जाते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ की राजनीति में वर्तमान समय में कर्मचारी ही नेता बने हुए हैं और वह खुलेआम राजनीतिक कार्यक्रमों में शिरकत करते नजर आ रहें हैं जिसकी बानगी एमसीबी जिले के चिरमिरी नगर निगम में देखने को मिला जहां एक महिला शिक्षक महापौर के साथ कांग्रेस पार्टी के द्वारा आयोजित किसी विरोध प्रदर्शन में शामिल देखी गई वहीं वह विरोध प्रदर्शन चाहे जिस भी उद्देश्य से हो रहा था वहां बकायदा कांग्रेस पार्टी का झंडा लहरा रहा था और उसी झंडे के साथ लोग विरोध करते आगे बढ़ रहे थे जिसमे वह शिक्षिका भी शामिल थीं।

महिला शिक्षिका जिनका नाम मिथलेश पराशर बताया जा रहा है और जो उच्च श्रेणी शिक्षक हैं चिरमिरी के ही डोमनहिल पूर्व माध्यमिक शाला में जिनकी तस्वीर और वीडियो वायरल हुआ है जिसमे वह महापौर के साथ कांग्रेस पार्टी के झंडे के साथ विरोध में अव्वल रूप में शामिल नजर आ रहीं हैं और उन्हें इस बात की कोई चिंता है की वह शासकीय कर्मचारी होने के नाते यह गलत कर रहीं हैं उनकी तस्वीर और वीडियो में उन्हे देखकर लगता नहीं है। महिला शिक्षिका जिन्हे नियम से शासकीय कर्मचारी होने के नाते कांग्रेस पार्टी के झंडे के साथ आयोजित पार्टी के द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन में शामिल नहीं होना था वह शामिल हैं और बकायदा वह नारा भी लगा रहीं हैं जो देखकर समझा जा सकता है। प्रदेश में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कर्मचारियों खासकर शिक्षकों की नेतागिरी काफी चमकी हुई भी नजर आ रही है, अधिकांश विधायक और मंत्रियों के निज सचिव शिक्षक ही हैं जबकि शिक्षकों को गैर शिक्षकीय कार्य हेतु कहीं संलग्न नहीं किए जाने का आदेश सरकार का ही है बावजूद इसके शिक्षक बच्चों का भविष्य गढ़ने की बजाए अपना ही भविष्य संवार रहें हैं और वह विधायक मंत्रियों के साथ रहकर अपना मूल कार्य शिक्षा प्रदान करना को ही धता बता रहें हैं और बच्चों को शिक्षा प्रदान करने की बजाए मौज काट रहें हैं।

महिला शिक्षिका मनेंद्रगढ़ विधानसभा की कोई इकलौती शिक्षिका नहीं हैं जो सत्ता का पूरा आनंद ले रहीं हैं

महिला शिक्षिका मनेंद्रगढ़ विधानसभा की कोई इकलौती शिक्षिका नहीं हैं जो सत्ता का पूरा आनंद ले रहीं हैं बल्कि कई ऐसे भी शिक्षक हैं जो पदस्थ तो शासकीय स्कूल में शिक्षा देने के लिए किए गए हैं शासन की तरफ से लेकिन वह कार्य विधायक मंत्रियों का झोला उठाने का कर रहें हैं और इसके एवज में उन्हें स्कूल जाने से निजात मिलती है और उन्हे घर बैठे महीने दर महीने तनख्वाह मिलती है। ऐसे शिक्षक कहीं न कहीं शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने के लिए भी जिम्मेदार हैं जिनका मन स्कूल और स्कूल की अपनी जिम्मेदारियों जिनकी वजह से उन्हें वेतन मिलता है उनका घर परिवार आसानी से जीवन यापन करता है के प्रति बिल्कुल बेफिक्र होते हैं और उन्हें नेताओं के साथ जुड़कर स्कूल जाने से छूट मिलती रहती है और वह चाटुकारिता में व्यस्त रहते हैं। चिरमिरी में महिला शिक्षिका के राजनीतिक पार्टी के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की तस्वीर सामने आने के बाद अब यह भी कहना गलत नहीं होगा की सैयां भए कोतवाल तो डर काहे का क्योंकि विधायक की पत्नी जो महापौर हैं साथ ही कांग्रेस पार्टी जिसकी सरकार है उसके द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में वह शामिल हुई हैं और जब सरकार ही उनके साथ है तो उनके ऊपर कार्यवाही कौन करेगा इस बात से वह आश्वस्त हैं और इसीलिए वह खुलेआम नेतागिरी अपनी चमका रहीं हैं जो देखा जा रहा है।

एक शिक्षिका को राजनीतिक दल के साथ उसके झंडे के नीचे विरोध प्रदर्शन की अनुमति है तो फिर अन्य कर्मचारियों के लिए पाबंदियां क्यों?

पूरे मामले में एक सवाल यह भी है की यदि एक महिला शिक्षिका को राजनीतिक दल के सात उसके झंडे के नीचे दल द्वारा ही आयोजित विरोध प्रदर्शन में यदि शामिल होने की अनुमति है तो फिर अन्य कर्मचारियों के लिए पाबंदियां क्यों और उन्हे भी उनके अनुसार क्यों छूट नहीं मिलती की वह भी अपनी अपनी इक्षा से उन विरोध प्रदर्शनों में शामिल हों सकें जिनका आयोजन वह दल या पार्टी कर रही हो जिसकी विचारधारा से वह प्रेरित हो।लेकिन चिरमिरी मामले में शिक्षिका का विरोध प्रदर्शन में शामिल होना साथ ही उनके ऊपर कोई कार्यवाही नहीं होना बताता है की छूट सभी को नहीं मिलती खास लोगों को छूट मिलती है जो बड़े पहुंच और पकड़ वाले होते हैं और उनकी पहुंच विधायक और सरकार तक सीधी होती है वहीं वह सत्ताधारी दल के विधायक महापौर के चाटुकार होते हैं यह भी उन्हें किसी कार्यवाही से बचाता है।

चिरमिरी महापौर के साथ नजर आई शिक्षिका,कांग्रेस पार्टी के विरोध प्रदर्शन में खुलकर रहीं शामिल

चिरमिरी की शिक्षिका मिथलेश पराशर जो उच्च श्रेणी शिक्षिका हैं और जिनका काम स्कूल में जाकर बच्चों को शिक्षा देना है वह चिरमिरी में आयोजित कांग्रेस पार्टी के विरोध प्रदर्शन में शामिल नजर आई साथ ही वह महापौर के साथ दिखीं जहां पार्टी का झंडा भी देखा जा सकता है। शिक्षिका विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर अपनी पूरी ऊर्जा के साथ विरोध करती देखी जा सकती हैं जहां उन्होंने अन्य कांग्रेस पार्टी की महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पीछे कर रखा है जो भी देखा जा सकता है। कार्यवाही का उनके भीतर भय भी नहीं है क्योंकि साथ में क्षेत्र के विधायक की महापौर धर्मपत्नी हैं उनके और वह इस तरह निश्चिंत हैं यह भी समझा जा सकता है। कुल मिलाकर महिला शिक्षिका पूरी तरह राजनीतिक रंग में नजर आ रहीं हैं और वह एक कार्यकर्ता बनकर विरोध में शामिल हैं यह भी समझा जा सकता है।

क्या महिला शिक्षिका के विरुद्ध होगी कार्यवाही या महिला शिक्षिका बनेगी मिशाल नौकरी में रहकर नेतागिरी के मामले में?

चिरमिरी में महिला शिक्षिका कांग्रेस पार्टी के द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल नजर आ रहीं हैं और इस तरह वह शासकीय सेवक होकर नियमों की अनदेखी कर रहीं हैं जो की अनुशासन हीनता का मामला विभागीय बनता है जैसा जानकर मानते हैं,अब ऐसे में क्या महिला शिक्षिका पर अनुशासनात्मक कार्यवाही विभाग करेगा या उन्हे मिशाल बनने देगा जो एक ऐसा उदाहरण बनकर सभी के सामने होंगी जिसमे कर्मचारी को राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने की छूट है यह साबित होगा। अब वैसे चूंकि मामला सत्ताधारी दल से जुड़ा हुआ है और सरकार में होते हुए क्षेत्रीय विधायक यह नहीं होने देंगे की उनकी ही पार्टी का झंडा उठाने पर किसी शासकीय कर्मचारी पर कार्यवाही हो और वह परेशान हो।

अधिकांश शिक्षक नहीं जाते स्कूल,नेताओं के खास बनकर रहते हैं उन्ही के आस पास, केवल वेतन लेते हैं शिक्षा प्रदान करने के नाम का

वैसे तो प्रदेश में भी यही हाल है लेकिन यदि अविभाजित कोरिया जिले की बात करें तो अधिकांश शिक्षक स्कूल नहीं जाना चाहते हैं और इसके लिए वह नेताओं के आसपास ही चक्कर लगाते रहते हैं,कई शिक्षक सालों से स्कूल से नदारत हैं,जाते भी हैं तो हाजिरी लगाने जिससे वेतन मिल जाए और घर में राशन पानी का जुगाड हो जाए,ऐसे शिक्षक केवल वेतन लेने के लिए विभाग में भर्ती हुए हैं,विधायक मंत्रियों के यहां संलग्न होकर वह स्कूल जाने से बचते चले आ रहें हैं और घर बैठे वेतन पा रहें हैं,अविभाजित कोरिया जिले में ऐसे शिक्षकों की संख्या काफी अधिक है वहीं कुछ किसी के यहां संलग्न नहीं हैं फिर भी घूमते नजर आते हैं और घर बैठे वेतन उठाते हैं।

क्या इसी तरह शिक्षक जलाएंगे शिक्षा का दीप,नौकरी के नाम पर क्या लेते रहेंगे वेतन मात्र,स्कूल से रहेंगे नादरत?

जिले में शिक्षकों की नेतागिरी चरम पर है,अधिकांश शिक्षक नेतागिरी के नाम पर नेताओं के खास होने के नाम पर स्कूल से नदारत रहते हैं,अब ऐसे में सवाल उठता है की क्या इसी तरह स्कूल छोड़कर और केवल वेतन लेने के लिए हाजिरी लगाने मात्र स्कूल जाने वाले शिक्षक इसी तरह शिक्षा का दीप जलाएंगे। क्या वह अपना मूल काम छोड़कर बस नेतागिरी ही करते रहेंगे यह बड़ा सवाल है। इस ओर न तो अधिकारी ध्यान दे रहे और न ही वह जनप्रतिनिधि जो आम जनता से वादा करते हैं की वह उनकी बेहतरी के लिए काम करेंगे। जबकि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण मसले पर दोनो मौन हैं और शिक्षक नेतागिरी करते नजर आ रहें हैं।

शिक्षकों से गैर शिक्षकीय कार्य लेना है शासन की तरफ से मना,फिर भी शिक्षक हैं गैर शिक्षकीय कार्य में संलग्न,कौन देगा ध्यान? शिक्षकों की नेतागिरी से जुड़ा मामला उनका गैर शिक्षकीय कार्य में संलग्न होना भी है,कई शिक्षक नेताओं के यहां चकिरदारी कर रहें हैं जबकि शासन का ही सख्त निर्देश है की शिक्षक शिक्षा के लिए संलग्न भले किए जाएं गैर शिक्षकीय कार्य के लिए उन्हें संलग्न न किया जाए,अब नेताओ के चकिरदार शिक्षकों को कौन उनके मूल जगह मूल कार्य पर वापस भेजेगा जिसका वह वेतन ले रहे हैं यह भी बड़ा सवाल है।

कोरिया में प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों का हुआ शुभारंभ,भाजपा नेता,कई बने कार्यक्रम के साक्षी

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,28 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को किसान प्रणाम योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत उन्होंने 1.25 लाख प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र का उद्घाटन किया। मुख्य कार्यक्रम राजस्थान के सीकर में हुआ। वहां से ही प्रधानमंत्री ने देश भर के किसान समृद्धि केंद्र का उद्घाटन किया। इसका सभी केंद्रों में ऑनलाइन प्रसारण हुआ। कोरिया जिले के केंद्रों पर उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए भाजपा पदाधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी और किसान उपस्थित थे। इस योजना के शुभारंभ होने से किसानों में काफी उत्साह देखा गया। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर एवं पटना में प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र का शुभारंभ कोरिया कृषि सेव् केंद्र एवं सम्पत राधेश्याम शर्मा कृषि सेवा केंद्र में हुआ। साथ ही किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का 14 वीं क़िस्त भी जारी की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश्वर रजक, पूर्व जिला अध्यक्ष जवाहरलाल गुप्ता भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व जिला उपाध्यक्ष रविशंकर शर्मा, संपत कुशवाहा शंकर लाल सोनी, गोलू सोनी, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा कमलेश साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश साहू, वर्तमान युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रवेश सिंह, भाजयुमो आईटी सेल् संयोजक अभिषेक साहू एवं संपत लाल कृषि सेवा केंद्र के संचालक डब्लू महाराज एवं भाजपा कार्यकर्ता एवं किसान भाइयों के साथ राजस्थान की सीकर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किसानों को दी गई सौगात कार्यक्रम के माध्यम से लाइव साक्षी बने।

उल्लेखनीय है नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देश के किसानों को 14 वा किसान सम्मान निधि उनके खातों पर डालें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में किसानों की मुश्किलों को हल करने के लिए 1.25 लाख किसान समृद्धि केंद्रों को समर्पित किया। इनके जरिए खेती से जुड़ी हर जानकारी, हर योजना की सूचना, उसे लाभ आदि के जरिए बताया जाएगा। देश के करोड़ों किसानों को करीब 18,000 करोड़ रुपये की राशि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत दी गई है जो सीधा उनके खाते में आ रही है। किसानों की सहूलियत के लिए प्रारंभ किए गए प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। यह एक खुदरा दुकान की तरह किसानों के लिए काम करेंगे। जहां वो उर्वरक, बीज व खेती से जुड़ी अपनी सभी जरूरत का सामाना खरीद सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते साल इस योजना की शुरुआत की थी। इसके तरह पूर्व में चल रही खुद्रा उर्वरक केंद्रों को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र में बदल दिया जाएगा। पीएमकेएसके पर किसानों को केवल खाद व बीज ही नहीं बल्कि खेती से जुड़ी आधुनिक तकनीक भी उपलब्ध कराई जाएगी।

कोरिया अल्प संख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने रियाज कुरैशी,विधायक के खास समर्थकों में है गिनती

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर,28 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोरिया जिला कांग्रेस अल्प संख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष की नियुक्ति में पटना निवासी रियाज कुरैशी को जिम्मेदारी मिलने की खबर सामने आई है।रियाज कुरैशी बैकुंठपुर विधायक के खास समर्थकों में गिने जाते हैं वहीं वह चुनाव के समय ही विधायक के समर्थक बने और उसके बाद उन्होंने विधायक के लिए चुनाव में मदद की जिसका इनाम उन्हे बतौर अल्प संख्यक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष के तौर पर मिला जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि है।

रियाज कुरैशी के जिलाध्यक्ष बनने के बाद अब आने वाले चुनाव में उनकी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है और अब उन्हें पार्टी के लिए अतिरिक्त समय भी प्रदान करना होगा। देखना होगा की नवीन जिम्मेदारी के प्रति रियाज कुरैशी कैसे अपना बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं क्योंकि अब चुनाव का समय भी नजदीक है और ऐस में अल्प संख्यक प्रकोष्ठ की नवीन कार्यकारणी का गठन साथ ही उनमें सामंजस्य स्थापित कर चुनाव में उनसे पार्टी के लिए बेहतर मदद लेना आसान नहीं है। रियाज कुरैशी के जिलाध्यक्ष बनने से उनके समर्थकों में उत्साह का माहौल है।

क्या छत्तीसगढ़ में दो-दो राष्ट्रीय दलों को पछाड़कर तीसरा दल राज्य की सत्ता में दखल दे पाएगा?

» कोरिया जिले में डॉक्टर आकाश जायसवाल ने सम्हाला है आम आदमी पार्टी का मोर्चा,लगातार जारी है उनका जनसंपर्क

» राष्ट्रीय स्तर पर यदि विपक्षी दल एक हुए तो क्या आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ में छोड़ देगी चुनाव लड़ने का विचार,यह भी है बड़ा सवाल?

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर,28 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में वैसे तो राजनीति दो प्रमुख राष्ट्रीय दलों के बीच ही सिमटी हुई नजर आती है उसमे से एक है कांग्रेस जो सत्ता में है और एक भाजपा जो पंद्रह साल सत्ता में रहकर अब विपक्ष में है,लेकिन हाल फिलहाल में एक अन्य राष्ट्रीय दल जिसे हाल ही में राष्ट्रीय दल होने का अधिकार मिला है वह छत्तीसगढ़ की राजनीति में तीसरा विकल्प बनने की कोशिश में है और वह दल है आम आदमी पार्टी जो लगातार प्रदेश में सक्रियता बढ़ा रही है।

आम आदमी पार्टी की वर्तमान में दो राज्यों में सरकार है जिसमे एक है दिल्ली और एक पंजाब वहीं कुछ अन्य राज्यों में भी पार्टी ने प्रयास किया जहां उसे अपेक्षित परिणाम नहीं मिला और अब वह छत्तीसगढ़ में भी सत्ता की कुर्सी तक जाने प्रयासरत है जिसके लिए उसके बड़े बड़े नेता प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा तक पहुंच कर पार्टी की नींव खड़ी करने का प्रयास कर रहे हैं और जिसके लिए वह स्थानीय स्तर पर पार्टी के संगठन का भी गठन कर रहें हैं और नए नए लोगों को जिम्मेदारी दे रहें हैं। छत्तीसगढ़ में तीसरा दल अपना असर दिखा पाएगा आने वाले विधानसभा चुनाव में यह भी बड़ा सवाल है क्योंकि अभी तक के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ और दो प्रमुख राष्ट्रीय दल कांग्रेस और भाजपा के इर्दगिर्द ही प्रदेश की राजनीति चलती देखी गई जो वर्तमान में भी कायम है।

पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ में नहीं दिखा पाई थी अपना असर

आम आदमी पार्टी पहली बार छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर रही है ऐसा भी नहीं है पिछले विधानसभा चुनाव में भी आम आदमी पार्टी ने प्रदेश की राजनीति में प्रवेश का प्रयास किया था जिसमे वह असफल हुई थी और एक तरह से प्रदेश की जनता ने उनपर बिल्कुल भी विश्वास नहीं किया था जिसका परिणाम यह था की प्रत्याशी जमानत भी नहीं बचा सके थे और करारी शिकस्त उनके हिस्से आई थी।।

क्या इस विधानसभा चुनाव में पार्टी करेगी बेहतर प्रदर्शन,क्या सत्ता की कुर्सी लगेगी हांथ?

आम आदमी पार्टी देश के दो राज्यों में पूर्ण बहुमत से सरकार में है और इससे पार्टी का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है अब क्या उनका बढ़ा हुआ मनोबल छत्तीसगढ़ में भी उनकी मदद कर पाएगा यह बड़ा सवाल है,क्योंकि छत्तीसगढ़ में पार्टी को शून्य से शुरुआत करनी है और ऐसे में उसकी शुरुआत उसको कुर्सी तक पहुंचा पाएगी यह देखने वाली बात होगी।

राष्ट्रीय स्तर के नेता लगातार कर रहें हैं प्रदेश में दौरा, क्या मजबूत संगठन वह तैयार कर पाएंगे?

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेता लगातार प्रदेश में दौरा कर रहें हैं,प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा में वह जा रहें हैं और मजबूत संगठन तैयार करने की वह कोशिश कर रहे हैं,अब क्या वह मजबूत संगठन तैयार कर पाएंगे यह भी बड़ा सवाल है, वैसे राष्ट्रीय स्तर के नेता प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा के लिए प्रत्याशी का भी चयन करते जा रहे हैं यह भी खबरे सामने आ रही हैं,अब उनकी पूरी मेहनत सफल होती है या उन्हे पिछले चुनाव की ही तरह मुंह की खानी पड़ती है यह आने वाला समय बताएगा।

राष्ट्रीय स्तर पर यदि विपक्षी गठबंधन साकार रूप ले सका तो क्या आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ में अपनी मौजूदगी से पीछे हट जाएगी?

जैसा की राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र की भाजपा सरकार के विरुद्ध संगठित होकर अस्तित्व ले रहा विपक्षी मोर्चा अब लगभग तैयार होने जा रहा है,विपक्षी एकता और मोर्चे के गठन के बीच एक बात लगातार सामने आ रही है और वह है की कई राज्यों में विपक्षी दल अपनी वर्तमान स्थिति अनुसार विधानसभा चुनाव में दावेदारी करेंगे, ऐसे में यह भी संभावना है की जिन राज्यों में विपक्षी गठबंधन में शामिल पार्टियों की सरकार है वहां अन्य मोर्चा के घटक दल चुनाव नहीं लड़ेंगे,ऐसे में सवाल यह उठता है की क्या ऐसे में आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ से पलायन कर जायेगी,क्योंकि वर्तमान में पार्टी अस्तित्व में ही नहीं है प्रदेश में और विपक्ष की एकता खड़ी हुई तो यह समझौता हो सकता है जिसकी प्रबल संभावना है। अब यह आने वाले समय में तय होगा।

बैकुंठपुर में डॉक्टर आकाश जायसवाल आम आदमी पार्टी के लिए कर रहे हैं धरातल तैयार

बैकुंठपुर में डॉक्टर आकाश जायसवाल आम आदमी पार्टी के लिए धरातल तैयार कर रहें हैं,वह लगातार जन संपर्क भी कर रहें हैं और पार्टी की विचारधारा से लोगों को अवगत करा रहें हैं,बैकुंठपुर विधानसभा से वह प्रत्याशी भी हो सकते हैं यह भी संभावित है।

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर जिला सरगुजा, (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गीता मिंज पत्नी बिनोद कुमार टोप्पो जाति उरांव ग्राम/नगर मुक्तिपारा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 890/6 रकबा 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1, खसरा, नक्शा, सेंटलमेंट,ले-आऊट रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुति किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 14/08/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/07/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर**

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा), अम्बिकापुर जिला सरगुजा, (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुज मिंज पिता अन्तोनियस जाति उरांव ग्राम/नगर मुक्तिपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सकालो तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 811/2 रकबा 0.100 हे0 में से 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 14/08/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/07/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — **अनुविभागीय अधिकारी (रा) अम्बिकापुर**

एससीईआरटी के सहायक संचालक ने किया चट्टीडांड़ स्कूल का औचक निरीक्षण

कक्षा चौथी के बच्चों से संविधान की प्रस्तावना सुन आश्यर्यचकित हुए राज्य के अधिकारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ शासन की तरफ से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, इसके लिए प्रदेश के स्कूलों की गुणवत्ता जांच करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य स्तरीय टीम गठित की गई है । इसी तारतम्य में राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् रायपुर से सहायक संचालक कौस्तुभ चटर्जी के द्वारा सूरजपुर जिले के शैक्षणिक दौरे के दौरान विकासखंड सूरजपुर के शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ जयनगर का औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान कौस्तुभ चटर्जी ने विद्यालय के बच्चों की शिक्षा गुणवत्ता की जांच की । सर्वप्रथम श्री चटर्जी कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों के बीच पहुंचे, जहाँ प्रधान पाठक गौतम शर्मा अध्यापन कार्य करा रहे थे, अधिकारी ने बच्चों से पूछा कि अभी आपलोग कौन सा पाठ पढ़ रहे हैं, तो बच्चों ने झट से बताया कि पाठ तीन कौन बोला म्याऊँ ! कक्षा दूसरी के छात्र रौनक सारथी ने हाव - भाव के साथ माईक से कविता सुना कर अधिकारी का दिल जीत लिया। इसके साथ ही कक्षा पहली की छात्रा कु.सोनम सारथी और रूद्र सारथी ने भी बेहिचक कविता गाकर सुनाया,नन्हें बच्चों की प्यारी - प्यारी कविताएँ सुनकर अधिकारी काफी प्रभावित हुए। तत्पश्चात् श्री चटर्जी कक्षा तीसरी, चौथी और पांचवी कक्षा में निरीक्षण हेतु गए, जहाँ शिक्षिका कु.विनिता सिंह बच्चों को गणित के सवाल हल करा रही थी। राज्य के अधिकारी ने बच्चों को श्यामपट पर गणित के कुछ सवाल बनाने के लिए दिये, जिससे बच्चों ने तुरंत हल करके दिखाया, जिस पर अधिकारी ने ताली बजाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद उन्होंने बच्चों से पहाड़ा सुनाने के कहा, जिस पर बच्चों ने फटाफट पहाड़ा सुना दिया, इसके बाद कक्षा चौथी की छात्रा कु.दिव्या सारथी और कु. परी सारथी ने अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तक पढ़कर सुनाया। इसके साथ ही कक्षा चौथी की छात्रा कु.भूमि सारथी, कु.परी सारथी, कु.दिव्या सारथी और कु.अल्का सारथी ने संविधान की प्रस्तावना बिना देखें अधिकारी को सुनाया, जिसे सुनकर श्री चटर्जी आश्यर्यचकित रह गये कि इतने कठिन - कठिन शब्दों को बच्चों ने आसानी से याद कर लिया है और बिना रूके एक बार में सभी बच्चे एक साथ सुना रहे हैं।विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति,छात्रवृत्ति भुगतान, गणवेश वितरण,पाठ्यपुस्तक वितरण, बैगलेस की गतिविधियों,पेयजल और खेलगढ़िया योजना के क्रियान्वयन की जानकारी लेने के बाद मध्यान्ह भोजन कक्ष का निरीक्षण कर मध्यान्ह भोजन मीनू के अनुसार खिलाया जाना पाया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुणवत्तापूर्ण अध्यापन हेतु निर्मित शैक्षणिक प्रिंटरीच वातावरण और विद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु किये गये नवाचारी प्रयासों तथा व्यवस्था की सराहना की । निरीक्षण उपरांत श्री चटर्जी ने शाला विकास के कार्यों के लिए प्रधान पाठक गौतम शर्मा और पूर्व प्रधान पाठक कु.विनिता सिंह की प्रशंसा करते हुए उन्हें ऐसे ही उत्कृष्ट कार्य करने के लिए शुभकामनाएं देते हुए इस विद्यालय को सुघ्घर पढ़वईया योजना हेतु तैयार करने के लिए कहा। इस मौके पर साक्षरता कार्यक्रम के ब्लॉक परियोजना अधिकारी जयराम प्रसाद, संकुल समन्वयक जयनगर आजाक संजय मिश्रा, प्रधान पाठक गौतम शर्मा, शिक्षिका कु.विनिता सिंह, रसोईया श्रीमती सीमावती और श्रीमती फलांगो उपस्थित रहे।

अवैध खनिज के परिवहन पर खनिज विभाग ने कसा शिकंजा

-संवाददाता-
कोरबा, 28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

खनिज विभाग की टीम ने बिना रॉयल्टी और ओवरलोड गिट्टी परिवहन करते 06 हाइवा और नदी से रेत चुराकर ले जाते ट्रैक्टर को जब्त किया है। वाहनों को उरगा और हरदीबाजार थाने में खड़ा करवाया गया है। गिट्टी का परिवहन जांजगीर-चांपा जिले से किया जा रहा था। ओवरलोड वाहनों की वजह से सड़कें भी खराब हो रही हैं। गिट्टी का परिवहन जिले में जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा क्षेत्र से होता है। खनिज विभाग की टीम ने हरदीबाजार और रलिया क्षेत्र में गिट्टी परिवहन करते 06 हाइवा की जांच की। इसमें 03 में ओवरलोड और 03 में बिना रॉयल्टी के गिट्टी परिवहन करते पाया गया। जांच में पता चला कि बिना रॉयल्टी पर्ची के लंबे समय से गिट्टी का परिवहन किया जा रहा था। इसी दौरान खनिज अमले ने रेत परिवहन करते एक ट्रैक्टर को भी पकड़ा है। ट्रैक्टर चालक के पास कोई दस्तावेज भी नहीं था। जिला खनिज अधिकारी प्रमोद नायक ने बताया कि मामले में खनिज एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। खनिज अमला लगातार अवैध परिवहन को रोकने कार्रवाई कर रहा है। रेत खनन बंद होने से लोग नदी और नालों से भी रेत की चोरी कर रहे हैं। हसदेव नदी के कोहड़ियाघाट क्षेत्र में रात को हसदेव नदी से रेत की चोरी करने नए-नए स्थान ढूंढ रहे हैं । वहीं दिनांक 28-07-2023 को कलेक्टर के आदेशानुसार तथा जिला खनिज अधिकारी के निर्देशानुसार अवैध खनिज परिवहन में कार्यवाही करते हुए रेत व मुरुम के 2-2 ट्रेक्टर तथा गिट्टी के 01 ट्रेलर जब्त कर उरगा थाना प्रभारी के अभिरक्षा में रखा गया है , जिसमे रूख्छक्र एक्ट 1957 के धारा 21 के तहत आगे की कार्यवाही की जाएगी साथ ही बताया गया है के इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

आलमगीर ईराकी बने के प्रदेश महासचिव

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अल्प संख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी की अनुमति से छत्तीसगढ़ अल्प संख्यक विभाग के प्रभारी नामाजुद्दीन के द्वारा प्रदेश कमेटी की सूची जारी की गई, जिसमें कांग्रेस के कद्दावर युवा नेता आलमगीर इराकी (बंटी) को प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्त किया गया है,उनकी इस नियुक्ति से जहां कांग्रेसियों में उत्साह है वहीं उनकी इस नियुक्ति को आगामी चुनाव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है, युवाओं सहित अपनी समाज पर मजबूत पैठ रखने वाले आलमगीर का फायदा कांग्रेस उठाने में कोई कसर नही छोड़ना चाहती, आलमगीर ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के बाद जारी विज्ञप्ति में बताया कि गुटबाजी से दूर संगठन को मजबूत बनाना और आगामी चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को विजय बना कर छत्तीसगढ़ में दुबारा भूपेश बघेल जी की सरकार बनाना हम सब का उद्देश्य होगा,अपनी इस नियुक्ति पर आलमगीर इराकी ने छ ग के मुख्यमंत्री आदरणीय भूपेश बघेल जी सहित खाद्य मंत्री अमरजीत भगत जी, योजना आयोग के अध्यक्ष डा प्रेमसाय सिंह जी, प्रेमनगर विधायक खेलसाय सिंह जी,विधायक पारस नाथ राजवाड़े जी,राजू बाबरा जी,भानू प्रताप सिंह जी,अल्प संख्यक के बड़े नेता इरफान सिद्दकी जी,भिलाई विधायक देवेंद्र यादव जी,जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भगवती रजवाड़े जी सहित कांग्रेस के समस्त पदाधिकारियों एवम कार्यकर्ताओं को आभार जताते हुए पूरी नैतिक जिम्मेदारी से कार्य करते हुए सबके विश्वास पर खरा उतरने की बात कही है।

ट्रेक्टर ट्रॉली चोरी करने वाले अंर्तराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

12 लाख रूपये कीमत के 1 ट्रेक्टर इंजन,4 ट्रेक्टर ट्राली,2 मोटर सायकल जप्त,5 आरोपी गिरफ्तार,आरोपियों ने तीन जिले में चोरी की वारदात को दिया था अंजाम

-संवाददाता-
सूरजपुर, 28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

सूरजपुर। दिनांक 24.07.2023 को ग्राम रगदा निवासी धनेश्वर राजवाड़े ने चौकी बसदेई में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके दुकान का ताला तोड़कर 7 हजार रूपये नगदी व ट्रेक्टर का चाभी निकालकर घर के सामने खड़ी ट्रेक्टर क्र. सीजी 29 एएफ 5255 को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर चौकी बसदेई में अपराध क्र. 318/23 धारा 347, 380 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

आईजी सरगुजा रेंज के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर आई कल्याण एलिसेला ने अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश चौकी प्रभारी बसदेई बृजेश यादव को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल के मार्गदर्शन में चौकी बसदेई पुलिस ने विवेचना और घटना स्थल के मुआयना किया, प्रतीत हुआ कि चोरी हुई नहीं है बनावटी घटना स्थल दिखाया जा रहा है। जिसके आधार पर प्रार्थी से पूछताछ करने पर उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया जिस पर शंका होने पर कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया कि 23 जुलाई को ट्रेक्टर की ट्राली चोरी करने के लिए संतोष सिंह निवासी खरूहा को बुलाया जिसके साथ रामलखन उर्फ कुनई व 1 अन्य व्यक्ति आए जहां चारों ने मिलकर भटगांव क्षेत्र से एक ट्रेक्टर का ट्राली चोरी कर अपने ट्रेक्टर से खींचकर अम्बिकापुर की ओर ले जा रहे थे उसी दौरान पुलिस गश्त को देखकर लटोरी जंगल में ट्राली और इंजन को छुपा दिए और धनेश्वर के द्वारा उक्त चोरी की घटना से बचने के लिए झूठी रिपोर्ट चौकी बसदेई में अपने ट्रेक्टर इंजन चोरी करने संबंधी दर्ज कराना बताया। मामले में आरोपी धनेश्वर राजवाड़े पता दरियर प्रसाद उम्र 27 वर्ष निवासी रगदा, संतोष सिंह पिता बबलू सिंह उम्र 35 वर्ष ग्राम खरूहा, थाना जैतपुर, जिला शहडोल मध्यप्रदेश व रमेश सिंह पिता बीरन सिंह पाव उम्र 32 वर्ष ग्राम छोटकी टोला, थाना जैतपुर, जिला शहडोल को पकड़ा गया जिनके निशानदेही पर एक ट्रेक्टर इंजन व चोरी का ट्राली को लटोरी से बरामद किया गया। पुनः कडाई से पूछताछ पर आरोपी धनेश्वर राजवाड़े ने बताया कि अपने साथी संतोष, रमेश सिंह, विनोद सिंह, दीपक सिंह व 3 अन्य के साथ मिलकर करीब 1 माह पूर्व ग्राम परसपारा थाना सूरजपुर क्षेत्र से 1 ट्रेक्टर ट्राली, करीब 15 दिन पूर्व ग्राम चुनगढ़ी, थाना भटगांव क्षेत्र से 1 ट्रेक्टर ट्राली, एक माह पहले सूरजपुर दुर्गा पंडाल के पास से 1 मोटर सायकल सीजी 15 सीएक्स 0394, 2 माह पहले जिला कोरिया के नागपुर से 1 ट्रेक्टर ट्राली, बैकुण्ठपुर खाड़ा से 1 ट्रेक्टर ट्राली एवं रनई-पटना से 1 ट्रेक्टर ट्राली, करीब 3 माह पहले अम्बिकापुर-बिलासपुर मार्ग से 2 नग ट्रेक्टर ट्राली चोरी करना बतायां। जिसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी विनोद सिंह पिता ललन सिंह उम्र 26 वर्ष ग्राम लेटरिया, थाना जैतपुर, जिला शहडोल, दीपक सिंह पिता स्व. सोमार साय उम्र 35 वर्ष ग्राम तेन्दुआ, थाना पटना जिला कोरिया को पकड़ा। आरोपियों के निशानदेही पर ट्रेक्टर ट्रॉली चोरी करने में प्रयुक्त ट्रेक्टर इंजन क्र. सीजी 29 एएफ 5255, चोरी का 1 नग मोटर सायकल, 4 नग ट्रेक्टर ट्रॉली एवं घटना में प्रयुक्त 1 मोटर सायकल कीमत करीब 12 लाख रूपये को जप्त कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिला सरगुजा व कोरिया पुलिस को भी सूचित कर दिया गया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई बृजेश यादव, एएसआई लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, मानिकदास, प्रधान आरक्षक आनंद सिंह, लखेश साहू, इसित बेहरा, थॉमस मिंज, आरक्षक देवदत्त दुबे, अमित सिंह, अभय तिवारी, गोरेश्वर पैंकरा, ओमप्रकाश सिंह, निलेश जायसवाल व प्रदीप सोनवानी सक्रिय रहे।

डीजल चोरों के हौसले बुलंद,आखिर किसके संरक्षण में हो रहा चोरी

-संवाददाता-
कोरबा,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

जिले के कोयला खदानों में बढ़ती डीजल और कोयला चोरी को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने मोर्चा खोल दिया है। मजदूर संघ ने खदानों की सुरक्षा में तैनात पेट्रो सैन्य बल के जवानों पर सह देकर चोरी करने का आरोप लगाया है कहीं प्रशासनिक व राजनीतिक पार्टी का संरक्षण तो नहीं मिल रहा है इसी कारण एसईसीएल के अधिकारी डीजल चोरी करने वाले गिरोह के सामने सहमे हुए हैं ।खदान में 363 जवान तैनात हैं जो 8-8 घंटे की शिफ्ट में ड्यूटी करते हैं इसके बाद भी चोरों का गिरोह खदान में उत्पाद मचा रहा है

। पिछले दिनों एसईसीएल की कुसमुंडा खदान में त्रिपुरा स्टेट राइफल्स के जवानों ने एक आईएल टैंकर को पकड़ कर जावानों ने कुसमुंडा थाने को सौप दिया था जबकी पुलिस ने अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया पुलिस का कहना है कि मामले में जांच चल रही है जल्द ही कार्रवाई की जाएगी । अब तक खदान के अंदर कोयला और डीजल चोरी पर अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं । संघ के महामंत्री अशोक सूर्यवंशी ने एसईसीएल के मेगा प्रोजेक्ट में लागे त्रिपुरा स्टेट राइफल्स के जावनों पर सवालिया निशान उठाते हुए बताया गया है कि खदानों में हर तरफ जावानों को लगाया गया है इसके बावजूद जवानों के आंख के सामने चोरी की घटनाएं हो रही हैं । छत्तीसगढ़ परिक्रमा की टीम ने इसे गंभीरता से लेते हुए तहकीकात की तो हकीकत सामने आ गई। छत्तीसगढ़ परिक्रमा के हाथ वह तस्वीरें लगे जो सच बयान कर रहे थे। ड्यूटी में तैनात जवनों के सामने डीज़ल चोरी करते चोरों के हौसला बुलंद नज़र आये । सूत्रों के अनुसार डीजल चोरी की घटना के बाद चारों तरफ हल्ला हो गया था कि एक तस्कर को ईडी की टीम ने गोवा से गिरफ्तार किया है यह सही है यह गलत यह अभी सामने नहीं आया है लेकिन कुछ लोगों का कहना भी है जिस तस्कर को टीम ने पकड़ा था उसे जिले में ही देखा गया है । संघ के महामंत्री अशोक सूर्यवंशी ने कहा कि यदि खदान में चोरी की घटना नहीं रुकेगी तो आने वाले महीने में गेट के सामने धरना प्रदर्शन किया जाएगा ढ्ढ अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में डीजल की चोरी पर कितना अंकुश लग पाता है ?

वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने दीपका एस ई सी एल कॉलोनी की अव्यवस्था देख जताई नाराजगी

-संवाददाता-
कोरबा,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

जिले के दीपका क्षेत्र पहुंचे वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने एसईसीएल की कॉलोनियों में अव्यवस्था देख नाराजगी जताई। कॉलोनी के मेंटेनेंस में लापरवाही नजर आई। कमेटी के सदस्यों ने कोयला कामगारों के शिकायत संबंधी आवेदन पर की गई कार्रवाई की भी जानकारी ली। गंभीरता से उनकी समस्याओं के निराकरण पर जोर दिया। वेलफेयर कमेटी के सदस्य सिविल मेंटेनेंस ऑफिस दीपका भी पहुंच रजिस्टर और बिल का अवलोकन किया। इस दौरान मजदूरों

के हाजिरी रजिस्टर डी फार्म में दस्तखत नहीं होना पाया गया। वेलफेयर कमेटी में एचएमएस से बजरंगी शाही, एटक से अजय विश्वकर्मा, बीएमएस से महेंद्र पाल सिंह, इंटक संपत शुक्ला, सीटू से जीएस प्रसाद व एसडी तिवारी, रमेश मिश्रा, अजय राठौर, लवलेश भार्गव समेत एसईसीएल मुख्यालय के कार्मिक कल्याण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

अस्पताल से शव को ससम्मान घर तक पहुंचाने 1099 पर डायल कर निःशुल्क शव वाहन उपलब्ध

-संवाददाता-
कोरबा,28 जुलाई 2023
(घटती घटना)

कलेक्टर के निर्देशन में जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सरकारी अस्पतालों से पार्थिव शरीर को परिजन के घर तक पहुंचाने के लिए निःशुल्क मुक्तांजली वाहन की सेवा दी जा रही है। जिसका टोल फ्री नं. 1099 है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एस एन केशरी ने बताया कि प्रदेश शासन एवं जिला प्रशासन ने अस्पताल में मृत्यु या पोस्टमार्टम के बाद मृतक के शव

को ससम्मान मुक्तिधाम अथवा घर तक छोड़ने के लिए 04 मुक्तांजलि वाहन की व्यवस्था की है। जिसके अंतर्गत 03 मुक्तांजली शव वाहन मेडिकल कॉलेज कोरबा तथा 01 वाहन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटघोरा में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि टोल फ्री नंबर 1099 डायल करने पर यह सेवा निःशुल्क मिलती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए निजी वाहन से शव ले जाने की समस्या से राहत दिलाने हेतु छत्तीसगढ़ शासन ने इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की है। उन्होने बताया कि सिर्फ शासकीय अस्पताल से घर तक शव को छोड़ने की सुविधा है। परिजन को मुक्तांजली वाहन बुक करने के लिए टोल फ्री नंबर 1099 मोबाईल पर डायल करना पड़ता है। इस पर संबंधित केस की पूरी जानकारी लेकर किसी भी स्वास्थ्य केन्द्र से घर तक शव ले जाने के मुक्तांजली वाहन उपलब्ध कराई जाती है। कलेक्टर संजीव झा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी ने जिले के सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों से मुक्तांजली शव वाहन की सेवा का लाभ जिले वासियों को दिलाने हेतु टोल फ्री नंबर 1099 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं आम जनों को इस संबंध में जागरूक करने हेतु अपील की है।

CMYK

दबंग दिल्ली और चेन्नई लायंस ने

यूटीटी सीजन-4 के सेमीफाइनल जगह बनाई

पुणे ,28 जुलाई 2023। अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के चौथे सीजन में दबंग दिल्ली और चेन्नई लायंस ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। क्ल हुए मुक्बले में दिल्ली ने मौजूदा चैंपियन चेन्नई लायंस के खिलाफ 9-6 से जीत दर्ज की। महिला एकल में अकुला श्रीजा यांग्झी लियू से 8-11, 11-8, 8-11 से हार गई। चौथे सीजन में दबंग दिल्ली और चेन्नई लायंस ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीटीएफआई के तत्वावधान में नीरज बजाज और वीटा दानी द्वारा प्रवत्ति फ्रेंचाइजी-आधारित लीग 2017 में अपनी स्थापना के बाद से भारतीय टेबल टेनिस के लिए गेम-चेंजर रही है। अंत में दबंग दिल्ली के टीटीसी खिलाड़ी ने धैर्य बनाए रखा और गोल्डन प्वाइंट के जरिए मैच जीत लिया।

कई बार के एशियाई खेलों के पदक विजेता दूसरे गेम की शुरूआत में थके हुए दिखे। साथियान ने 11-3 से मैच जीतने से पहले तेजी से बढ़त बना ली। तीसरे मैच में भी वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर थे और दोनों फ्लैंक पर सटीक फ ोरहैंड शॉट्स की बदौलत 11-6 से मैच जीत लिया।

दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी यांगजी लियू ने रोमांचक महिला एक्ल मैच में श्रीजा अकुला को 2-1 से हराकर चेन्नई लायंस को फिर से बराबरी पर ला खड़ा क्या। मैच के शुरुआत में यांगज़ी पिछड़ रही थी, क्योंकि श्रीजा ने तेजी से अंक जुटाने के लिए अपने बेदम बैकहैंड का इस्तेमाल किया। ऑस्ट्रेलियाई पैडलर ने हालाँकि जमने के बाद खेल बदल दिया और शुरुआती मैच 11-8 से जीत लिया, इससे पहले श्रीजा ने वापसी करते हुए अगले मैच को 11-8 से जीत लिया और मैच को निर्णायक गेम मे ले गए। लियू ने आखिरी मैच 11-8 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इसी तरह टाई का तीसरा मैच (मिश्रित युगल) साथियान और बारबोरा बालाज़ोवा के पक्ष में गया, जिन्होंने सरथ और यांगज़ी को 2-1 से हराकर अपने फ्रेंचाइजी की बढ़त बना ली थी। साथियान और बारबोरा ने समन्वय बनाने के साथ पहले दो मैच 11-7, 11-6 से जीते लेकिन तीसरा मैच वह 7-11 से हार गए।

अर्जेंटीना ने दक्षिण अफ्रीका से 2-2 ड्रॉ खेला

डुनेडिन ,28 जुलाई 2023। अर्जेंटीना ने पांच मिनट के भीतर दो गोल करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला फुटबॉल विश्व कप का मैच 2 . 2 से ड्रॉ करा लिया। इस ड्रॉ से दोनों टीमों को ग्रुप जी में एक एक अंक मिल गया है। स्वीडन और इटली तीन तीन अंक लेकर शीर्ष पर हैं और दोनों का शनिवार को सामना होगा। करीब 8834 दर्शकों के सामने खेले गए मैच में अर्जेंटीना के लिये सोफिया ब्राउन ने 74वें और रोमिना नुनेज ने 79वें मिनट में गोल दागा। दक्षिण अफ्रीका के लिये लिंडा एम ने 30वें और थेम्बी गातलाना ने 66वें मिनट में गोल किये। इस ड्रॉ से दक्षिण अफ्रीका ने महिला विश्व कप में पहली बार अंक हासिल किया। उसे 2019 विश्व कप में ग्रुप चरण के हर मैच में पराजय मिली थी। अब अर्जेंटीना का सामना स्वीडन से और दक्षिण अफ्रीका का इटली से होगा।

लक्ष्य सेन जापान ओपन के सेमीफाइनल में

टोक्यो ,28 जुलाई 2023। भारत के लक्ष्य सेन ने अपना प्रभावी प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान के कोकी वातानाबे को सीधे गेम में हराकर जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि एच एस प्रणय और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी हारकर बाहर हो गई। विश्व चैम्पियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी सेन ने 33वीं रैंकिंग वाले वातानाबे को 21 . 15, 21 . 19 से शिकस्त दी। वह कनाडा और अमेरिका के बाद लगातार तीसरे सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। अलमोड़ा के 21 वर्ष के राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन सेन का सामना इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी से होगा।

दुनिया के दसवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय को दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन ने 19 . 21, 21 . 18, 21 . 8 से हराया। फॉर्म में चल रही सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को ओलंपिक चैम्पियन चीनी ताइपै के ली यांग और वांग चि लान ने 21 . 15, 23 . 25, 21 . 16 से मात दी। इसके साथ ही उनका लगातार 12 मैच का विजय अभियान भी खत्म हो गया। कनाडा ओपन सुपर

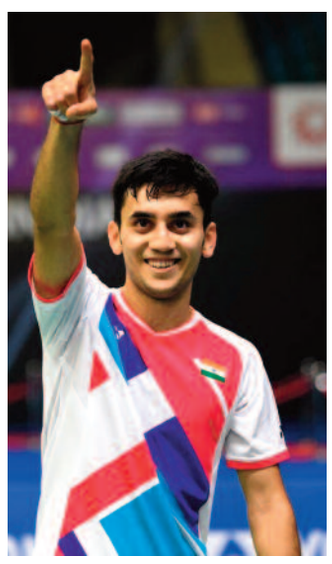

500 टूर्नामेंट जीतने वाले सेन ने 5 . 3 की बढत से आगाज किया और ब्रेक तक यह बढत 11 . 7 की कर ली। उन्हें जापानी विरोधी का सामना करन में दिक्कत नहीं आई और पहला गेम क्रॉसकोर्ट पर दो शानदार रिटर्न के साथ उन्होंने अपने नाम किया। दूसरे गेम में वातानाबे ने वापसी की कोशिश की लेकिन सेन ने लय नहीं छोड़ी। एक समय स्कोर 18 . 17 था लेकिन दो रिटर्न के साथ सेन ने एक मैच प्वाइंट बना लिया। इसके बाद बैकलाइन पर शानदार रिटर्न के साथ जीत दर्ज की। एक्सेलसेन और प्रणय का मैच काफी रोमांचक रहा और दोनों ने शानदार रेलियां लगाई। पिछले तीन मैचों में दो बार एक्सेलसेन को हरा चुके प्रणय ने पहला गेम जीता और दूसरे में भी 7 . 1 की बढत बना ली थी लेकिन इसके बाद लय कायम नहीं रख सके।

एक्सेलसेन ने वापसी करते हुए शानदार स्मैश लगाये और 17 . 13 की बढत बना ली। प्रणय ने वापसी करके स्कोर 17 . 17 किया। क्रॉसनेट शॉट के दम पर एक्सेलसेन ने फिर दो अंक की बढत बना ली हालांकि प्रणय ने एक बार फिर स्कोर 19 . 19 कर दिया। बेहतरीन क्रॉसनेट शॉट पर प्रणय ने एक अंक की बढत बनाई। एक्सेलसेन ने हालांकि लगातार अंक लेकर वापसी की। तीसरे गेम में भी स्कोर बराबरी पर था लेकिन एक्सेलसेन ने लगातार सात अंक हासिल किये। दूसरी ओर थकान प्रणय पर हावी हो गई थी और वह गलतियां करते चले गए।

भारत पुरुषों के ड्रा में चीन,बांग्लादेश और म्यामांर के साथ;महिला टीम के ग्रूप में थाईलैंड,ताइपे

शंघाई,28 जुलाई 2023। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को एशियाई खेलों के लिए गुरुवार को यहां हुए ड्रा में चीन, बांग्लादेश और म्यामां के साथ ग्रूप ए में रखा गया है जबकि महिला टीम ग्रूप बी में थाईलैंड और चीनी ताइपे के साथ शामिल है। खेल मंत्रालय ने मौजूदा चयन मापदंड में राहत देते हुए भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीमों की एशियाड में भाग लेने की अनुमति दी। पुरुषों की स्पर्धा में छह ग्रुप हैं। प्रत्येक ग्रूप से शीर्ष दो टीमें तथा सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली चार टीमें राउंड 16 में जगह बनायेंगी। वहीं महिलाओं के वर्ग में प्रत्येक ग्रूप से शीर्ष टीम तथा सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली तीन टीमें क्वार्टरफाइनल में पहुंचेंगी। भारतीय पुरुष टीम ने 1951 में शुरुआती एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद 1962 में भी यही उपलब्धि दोहरायी थी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पहले भारतीय फुटबॉल टीमों को इस आधार पर खेलों में भेजने से इनकार कर दिया

था कि वे एशिया में शीर्ष आठ देशों की रैंकिंग में शामिल नहीं थीं।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने खेल मंत्रालय से दोनों टीमों को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने देने की अपील की थी। वहीं राष्ट्रीय सीनियर टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप की मांग की थी। वर्ष 2002 के बाद से ही एशियाई खेलों की फुटबॉल स्पर्धा में अंडर-23 टीम हिस्सा लेती रही है जिसमें तीन खिलाड़ी इससे अधिक उम्र के हो सकते हैं। हालांकि इस साल 24 साल के खिलाड़ी भी खेल सकते हैं क्योंकि पिछले साल चीन में कोविड-19 मामलों के कारण इन खेलों को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया था। करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री, गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और स्टार डिफेंडर संदेश झिंगन अंडर-23 से अधिक उम्र के तीन खिलाड़ी होने के नाते भारतीय पुरुष टीम का हिस्सा होंगे।

ग्रूप में निचली रैंकिंग की म्यामां और बांग्लादेश शामिल हैं जिससे भारतीय पुरुष टीम के लिए यह आसान ड्रा है और इससे उसके प्रतियोगिता के अगले दौर में पहुंचने की उम्मीद है। वहीं महिला टीम के भी अगले दौर में पहुंचने की उम्मीद है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) के अंतर्गत भारतीय पुरुष टीम रैंकिंग में 18वें स्थान पर है जबकि महिला टीम की रैंकिंग 11 है। भारतीय पुरुष टीम सैफ चैम्पियनशिप जीतने के बाद फीफा रैंकिंग में एक बार फिर 99वें स्थान पर पहुंची थी। इस साल टीम ने इंटरकांटिनेंटल कप और तीन देशों के फुटबॉल टूर्नामेंट में जीत हासिल की थी। महिला टीम ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जिसमें उसने ओलंपिक क्वालीफायर के दूसरे राउंड में दो बार किर्गिस्तान को मात दी थी। एशियाई खेलों में फुटबॉल की स्पर्धायें 19 सितंबर से शुरु होंगी और आठ अक्टूबर को प्रतियोगिता खत्म होने से एक दिन पहले फाइनल खेले जायेंगे।

संयोजन के कारण टीम में नहीं चुना जाना मेरे लिये सामान्य बात : कुलदीप

ब्रिजटाउन ,28 जुलाई 2023। हालात के अनुरूप टीम संयोजन के कारण कई बार बाहर होने वाले कुलदीप यादव के लिये यह सामान्य बात है और बायें हाथ के कलाई के इस स्पिनर का मानना है कि मौके गंवाने पर दुखी होने की बजाय हर मौके का फायदा उठाना बेहतर है। कुलदीप ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में तीन ओवर में छह रन देकर चार विकेट लिये जिससे भारत ने पांच विकेट से जीत दर्ज की। 'प्लेयर आफ द मैच' चुने गए कुलदीप ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,''अधिकांश समय मुझे हालात और टीम संयोजन की वजह से खेलने का मौका नहीं मिलता। अब यह सामान्य बात है। मैं इतने साल से क्रिकेट खेल रहा हूं। अब छह साल से अधिक हो गए। ये चीजें सामान्य हैं।''

उन्होंने कहा ,''मैं अब विकेट लेने के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मेरा फोकस प्रक्रिया पर है कि किस लैंग्थ से गेंद डालनी चाहिये।'' इस साल नौ वनडे में 19 विकेट ले चुके कुलदीप को आठ विकेट लेने के बावजूद दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नहीं चुना गया था। उन्होंने कहा ,''पिछले डेढ साल से जब भी मौका मिला है , मैने अच्छी लैंग्थ पर गेंद डालने की कोशिश की है। मैं लगातार अच्छी गेंदबाजी करना चाहता हूं। जहां तक विकेट का सवाल है तो किसी दिन मिलेंगे और किसी दिन नहीं। मैं वैरिएशन तभी आजमाता हूं जब विरोधी टीम जल्दी से चार या पांच विकेट गंवा चुकी होती है।''

इंटर मियामी के टीम मेट्स पर लियोनेल मेसी ने बरसाया प्यार

अर्जेंटीना ,28 जुलाई 2023। अर्जेंटीना की टीम के दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी इन दिनों इंटर मियामी की टीम से खेलते दिख रहे है। अमेरिका के क्लब इंटर मियामी की टीम भी अब जीत की राह पर है। लियोनेल मेसी जैसे अनुभवी खिलाड़ी के टीम में शामिल होने से साथी खिलाड़ियों का भी काफी उत्साहवर्धन हुआ है। लियोनेल मेसी के होने से क्लब के ड्रेसिंग रूम का माहौल भी बदला है।

इसी बीच विश्व कप विजेता अर्जेंटीना की टीम के सुपरस्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने अपनी नई अमेरिकन क्लब इंटर मियामी की टीम के साथी खिलाड़ियों को खास तोहफा दिया है। इस तोहफे से लियोनेल मेसी ने अपनी टीम का दिल जीत लिया है।

जानकारी के मुताबिक लियोनेल मेसी के इस शानदार गिफ्ट और इस कदम से टीम के खिलाड़ी का भी अभिभूत हो गए है।

माना जा रहा है कि लियोनेल मेसी ने साथी खिलाड़ियों को बीट्स के हेडफोन गिफ्ट किए है। ये हेडफोन पिंक और काले रंग के हैं, जो की टीम की जर्सी का रंग है। इस हेडफोन पर क्लब का बैज भी बना हुआ है, जो खासतौर पर कस्टमाइज करवाया गया है।

अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ इंटर मियामी क्लब की टीम ने शानदार जीत दर्ज की है। इस जीत के बाद टीम के खिलाड़ी डीएंड्रे येडलिन को कस्टम-निर्मित हेडफोन पहने देखा गया है। उन्होंने पुष्टि की है कि ये हेडफोन टीम के सभी खिलाड़ियों को लियोनेल मेसी ने गिफ्ट की है। उन्होंने बताया कि पहले गेम के बाद मेसी ने सभी खिलाड़ियों को ये तोहफा दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी के साथी खिलाड़ी लियोनार्डो कैम्पाना की फ्लोरिडा के डीआरवी पीएनके स्टेडियम में टिकट दिलाने में मदद की थी।

पापुआ न्यू गिनी ने आईसीसी पुरूष टी 20 विश्व कप 2024 में जगह बनाई

पोर्ट मोरेस्बी,28 जुलाई 2023। पापुआ न्यू गिनी ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले 2024 आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर लिया है। पूर्वी एशिया प्रशांत क्वालीफायर से यह एकमात्र टीम है और टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई करने वाली 15वीं टीम बन गई है। पापुआ न्यू गिनी ने शुक्रवार को फिलीपीन को 100 रन से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर पापुआ न्यू गिनी ने छह विकेट पर 229 रन बनाये। जवाब में फिलीपीन की टीम 129 रन पर आउट हो गई।पांच मैचों के बाद पापुआ न्यू गिनी तालिका में शीर्ष पर रही। अब जापान के खिलाफ शनिवार को उसका मैच औपचारिकता मात्र रह गया है। बीस टीमों के इस टूर्नामेंट में अभी पांच टीमों का चयन बाकी है। एक टीम बरमूडा में होने वाले अमेरिकी क्वालीफायर से, दो दो टीमें एशिया और अफ्रीका क्वालीफायर से चुनी जायेंगे जो क्रमश नेपाल और नामीबिया में होंगे।

चिरंजीवी की भोला शंकर का ट्रेलर जारी

गॉडफादर और वाल्टेयर वीरय्या जैसी सुपरहिट फिल्मों के बाद अब मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म भोला शंकर का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।इसमें कीर्ति सुरेश और तमन्ना भाटिया भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं।अब निर्माताओं ने गुरुवार को भोला शंकर का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें चिरंजीवी ताबड़तोड़ एक्शन करते नजर आ रहे हैं।यह एक पैन-इंडिया फिल्म है, ऐसे में निर्माता इसे कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

चिरंजीवी की फिल्म भोला शंकर 11 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इसका निर्देशन मेहर रमेश द्वारा किया जाएगा, जबकि रामब्रह्मम सुनकारा फिल्म भोला शंकर के निर्माता हैं।सुशांत, रघु बाबू, मुरली शर्मा, रविशंकर, वेनेला किशोर, तुलसी, श्री मुखी, बिथिरी साथी, सत्या, गेटअप श्रीनु, रश्मी गौतम और उत्तेज भी फिल्म की हिस्सा हैं।भोला शंकर तमिल फिल्म वेधालम की आधिकारिक रीमेक है, जिसमें अजीत कुमार ने अभिनय किया था।

मंत्रमुग्ध होने के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि चिरंजीवी भोला शंकर में सर्वोच्च भूमिका निभा रहे हैं, यह एक सिनेमाई चमत्कार है जो एक अविस्मरणीय अनुभव का वादा करता है। विस्मयकारी प्रदर्शन में मेगास्टार के बेजोड़ करिश्मे को देखने के लिए तैयार हो जाइए, जिसे देखकर आपकी सांसें थम जाएंगी। मंच तैयार है, उलटी गिनती शुरू हो गई है और प्रत्याशा बढ़ रही है। अपने आप को एक ऐसी सिनेमाई यात्रा के लिए तैयार करें जो मनोरंजन की सीमाओं को फिर से परिभाषित करेगी और एक चिरस्थायी सुपरस्टार के रूप में चिरंजीवी की विरासत को मजबूत करेगी।

श्रीलीला ने अल्लू अर्जुन के साथ विशेष गाने का प्रस्ताव ठुकराया!

अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित सीक्वल पुष्पा 2 अपने पूर्ववर्ती की भारी सफलता के बाद भारत में धूम मचा रही है। शूटिंग तेजी से आगे बढ़ने के साथ ही यह फिल्म एक खास पहलू की वजह से चर्चा में बनी हुई है।

निर्देशक सुकुमार अपनी फिल्मों में ठोस आइटम नंबर शामिल करने के लिए जाने जाते हैं, और पुष्पा भी अपवाद नहीं थी, सामंथा के आकर्षक प्रदर्शन ने पैन-इंडिया की प्रसिद्धि हासिल की। अब, सारा ध्यान उस हीरोइन की तलाश पर है जो सीक्वल में विशेष गीत की शोभा बढ़ायेगी।

फिल्मी हलकों में अफवाहें बताती हैं कि निर्माताओं ने विशेष गीत के लिए प्रतिभाशाली और उभरते सितारे, श्रीलीला से संपर्क किया। हालाँकि, आश्चर्यजनक रूप से, उसने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया। कथित तौर पर, एकल नायिका के रूप में सात फिल्मों के साथ, श्रीलीला एक विशेष गीत के अवसर को लेने के बजाय अपने आशाजनक करियर पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करती हैं, भले ही वह अल्लू अर्जुन के साथ ही क्यों न हो। सवाल यह है कि पुष्पा 2 में करिश्माई अल्लू अर्जुन के साथ नृत्य करने का भाग्यशाली मौका कौन लेगा?

फिल्म कैनेडी पहुंची इंडियन फिल्म फेस्टिवल मेलबर्न

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म कैनेडी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में स्क्रीनिंग के बाद काफी सुर्खियां बटोरी थीं।राहुल भट्ट और सनी लियोनी अभिनीत इस फिल्म को लोगों ने काफी पसंद किया था और इसे स्टैंडिंग ओवेशन मिला था।अब फिल्म इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) 2023 में अपनी स्क्रीनिंग के लिए तैयार है।यह महोत्सव 20 अगस्त को मेलबर्न में कैनेडी की स्क्रीनिंग के साथ ही समाप्त होगा।

फिल्म महोत्सव के आयोजकों की ओर से जानकारी दी गई है कि समापन रात्रि समारोह में अनुराग के साथ सनी और राहुल भी शामिल होंगे।यहां सितारे फिल्म में अपनी भूमिका और अपने अनुभव को लोगों के साथ साझा करेंगे।यही नहीं समापन रात्रि समारोह से एक दिन पहले यानी 19 अगस्त को एक लाइव विशेष बातचीत सत्र आयोजित होगा।इसमें अनुराग और मुख्य कलाकार दर्शकों के साथ कैनेडी के बारे में बात करते हुए नजर आएंगे।

अनुराग ने कहा, मुझे खुशी है कि कैनेडी आईएफएफएम, मेलबर्न की समापन फिल्म होगी। यह पहला भारतीय फिल्म महोत्सव है, जिसे हम दुनिया में प्रदर्शित कर रहे हैं और मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए बेहद उत्साहित हूं।उन्होंने कहा, मैं फिल्म महोत्सव में भाग लेने और लोगों की प्रतिक्रिया जानने के लिए वहां पर मौजूद रहूंगा। मुझे यकीन है कि वैश्विक दर्शकों, जिन्होंने यह फिल्म देखी है, उनकी तरह ही यहां भी लोगों को यह पसंद आएगी।

कैनेडी एक सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर फिल्म है, जिसमें एक अनिद्रा पीड़ित पुलिसकर्मी की कहानी को दिखाया गया है। इस पुलिसकर्मी को मरा हुआ समझा जाता है, लेकिन वह भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ काम करने में जुटी हुई है।

कान्स फिल्म फेस्टिवल में मिडनाइट स्क्रीनिंग सेगमेंट के बाद कई जगह अनुराग की कैनेडी का प्रीमियर हो चुका है, जहां इसे लोगों ने काफी पसंद किया है।इसमें सिडनी फिल्म फेस्टिवल, न्यूचैटल इंटरनेशनल फैंटास्टिक फिल्म फेस्टिवल और बुकियॉन इंटरनेशनल फैंटास्टिक फिल्म फेस्टिवल शामिल हैं।इसके बाद अब यह आईएफएफएम के अलावा 12 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक कनाडा में आयोजित होने वाले 12वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ साउथ एशिया में भी दिखाई जाएगी।

आईएफएफएम में कार्तिक आर्यन को बॉक्स ऑफिस पर भूल भुलैया 2 और सत्यप्रेम की कथा के लिए मिली सफलता के चलते राइजिंग ग्लोबल सुपरस्टार का अवॉर्ड मिलेगा।साथ ही करण जौहर को फिल्मी दुनिया में उनके अब तक के सफर के लिए सम्मानित किया जाएगा और दोनों की फिल्मों की स्क्रीनिंग भी की जाएगी।इसके अलावा आईएफएफएम में सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित राधिका मदान की फिल्म सना की भी स्क्रीनिंग होने की घोषणा हो गई है।

स्कूल बस मालिकों पर अब परिवहन विभाग कसेगा का शिकंजा

» 229 स्कूल बसों पर 5 करोड़ का रोड टैक्स बकाया

» अब चल-अचल संपत्ति होगी कुर्क

रायपुर,28 जुलाई2023(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रोड टैक्स नहीं देने वाले 12 साल पुराने 229 स्कूल बस मालिकों के खिलाफ अब परिवहन विभाग कार्यवाही करने जा रहा है। अगस्त तक बकाया टैक्स जमा नहीं करने पर परिवहन विभाग बस को जब्त कर नीलाम करेगी। इसके बाद भी राशि बकाया होने पर बस मालिकों की चल-अचल संपत्तियों को भी कुर्क कर वसूली की जाएगी।

दरअसल, परिवहन विभाग ने एसडीएम से ऐसे बकायेदार बस मालिकों की चल-अचल संपत्तियों का ब्यौरा मांगा है, जो सालों से रोड टैक्स नहीं दिए हैं। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रायपुर समेत आरंग, अभनपुर और तिल्दा-नेवरा एसडीएम को पत्र लिखकर रोड टैक्स के बकायेदार बस मालिकों का नाम, पता और मोबाइल नंबर सहित सूची भेजी गई है। पत्र में बताया गया है कि स्कूल बस के संचालकों ने पिछले 10 साल से करीब 5 करोड़ रुपए रोड टैक्स जमा नहीं किया है। इसकी वसूली करने के लिए बस मालिकों को 7 अगस्त 2023 तक अंतिम मौका दिया गया है। निर्धारित अवधि में बकाया टैक्स जमा नहीं करने पर बस को जब्त कर नीलाम किया जाएगा। इसके बाद राशि बकाया होने पर उनकी चल-अचल संपत्तियों को कुर्क कर वसूली की जाएगी।

बस मालिकों को नोटिस जारी

उल्लेखनीय है कि, मई और जून महीने में पुलिस परेड ग्राउंड में लगाए गए स्कूल बसों की मैकेनिकल जांच शिविर में नहीं आने वाली बसों की जब परिवहन और यातायात पुलिस विभाग ने जानकारी खंगाली तब यह जानकारी सामने आई। परिवहन विभाग ने बकाया 5 करोड़ का रोड टैक्स वसूलने 229 स्कूल बसों के संचालकों को नोटिस जारी कर 30 जून तक बकाया टैक्स जमा करने का समय दिया था। यह अवधि अब बीत चुकी है, लिहाजा सभी को नोटिस जारी किया गया। जारी नोटिस में केंद्रीय मोटरयान अधिनियम का हवाला देते हुए इनका उपयोग स्कूलों बसों के रूप में नहीं करने की चेतावनी भी दी गई है। निर्धारित अवधि में टैक्स जमा नहीं कराने पर भू-राजस्व संहिता के तहत बसों के साथ ही अन्य चल-अचल संपत्तियों को सीज करने की चेतावनी दी गई थी। विभाग ने इन बसों को यात्री बस के रूप में संचालित करने की भी सलाह शैक्षणिक संस्थानों को दी है।

प्रत्येक बस का 1.25 से 2.50 लाख रुपए तक बकाया

स्कूलों में चलाई जा रही 229 बसों का 3 से 5 साल का रोड टैक्स जमा नहीं किया गया है। प्रत्येक बस का औसतन 1.25 लाख रुपए से लेकर 2.50 लाख रुपए तक बकाया है। इन सभी की गणना करने के बाद प्रत्येक बस मालिक और स्कूल प्रबंधन को टैक्स जमा करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। टैक्स जमा नहीं करने पर बसों को सीज करने की कार्रवाई की जाएगी।

कोयला ब्लॉक घोटाला के पूर्व सांसद समेत सभी आरोपियों को मिली अंतरिम जमानत

रायपुर,28 जुलाई2023(ए)। कोल ब्लॉक आवंटन से जुड़े केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कांग्रेस के पूर्व राज्यसभा सदस्य विजय दर्डा, देवेन्द्र दर्डा समेत जेएलडी के निदेशक को सजा सुनाई थी। मगर अब दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व राज्यसभा सांसद विजय दर्डा, उनके बेटे देवेन्द्र दर्डा, मेसर्स जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मनोज कुमार जयसवाल को अंतरिम जमानत दे दी है।दरअसल, कोर्ट ने इन आरोपियों की तरफ से सजा के निलंबन की मांग को लेकर दायर अर्जी पर जवाब देने के लिए सीबीआई को वक्त दिया है। साथ ही कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस भी जारी कर दिया है। बता दें, कि कोर्ट ने विजय दर्डा को 4 साल की सजा सुनाई थी। इसके अलावा यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मनोज कुमार जायसवाल और दो अधिकारी केएस क्रोफा और केसी सामरिया को 3-3 साल के कारावास की सजा सुनाई थी।

सीबीआई ने इस मामले कोर्ट को जानकारी दी थी कि इन आरोपियों ने फॉड करके कोल ब्लॉक हासिल किया है। इसके लिए पात्रता शर्तों पर तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया गया था।

शासन ने बीजेपी के पूर्व विधायकों की सुरक्षा में की कटौती

» राज्यपाल से मिले बीजेपी के पूर्व एमएलए

रायपुर,28 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को कुछ ही महीने बचे है। चुनाव आयोग ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। इसी बीच शासन ने बीजेपी के कुछ पूर्व विधायकों की सुरक्षा में कटौती कर दी है। इस कड़ी में आज पूर्व विधायकों ने प्रदेश के राज्यपाल से मुलाकात की।

जानकारी के अनुसार सुरक्षा में कटौती के विरोध में राज्यपाल से मिलने के लिए ये सभी पूर्व विधायक पहुंचे और सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। पूर्व एमएलए सुभाऊ कश्यप, भोजराज नाग, पिंकी ध्रुव, लच्छू राम कश्यप सहित 5 पूर्व एमएलए राज्यपाल से मिले है। इन सभी ने चुनाव के समय सुरक्षा में कटौती करने पर चिंता जताई है। बता दें कि बीजेपी के ये सभी पूर्व विधायक नक्सल प्रभावित इलाके से आते है। ऐसे में उनकी सुरक्षा में कटौती करना बेहद चिंताजनक विषय है।

बता दें कि चुनाव से पहले बीजेपी नेताओं की सुरक्षा में कटौती किए जाने से राज्य सरकार के फैसले का भाजपा ने विरोध भी किया था। बस्तर के पूर्व विधायक सुभाउराम कश्यप की सुरक्षा को वाय प्लस से वाय श्रेणी कर दिया गया है। वहीं, चित्रकोट के पूर्व विधायक बैदूराम कश्यप की सुरक्षा को जेड से वाय श्रेणी कर दिया गया है, इसके अलावा पूर्व विधायक लछूराम कश्यप के भी सुरक्षा में कटौती करते हुए जेड से वाय श्रेणी कर दिया गया है। भानूप्रतापपुर के पूर्व विधायक ब्रह्मानंद नेताम की सुरक्षा वाय प्लस से एक्स श्रेणी कर दिया गया है।

सीएम बघेल ने जुआ-सट्टा,गुंडे-बदमाशों और ऑनलाइन गेमिंग पर कड़ाई से रोक लगाने का दिया आदेश

रायपुर,28 जुलाई 2023 (ए)। मुख्यमंत्री बघेल ने बैठक में प्रदेश में कानून और व्यवस्था,महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर अपने निवास कार्यालय में प्रदेश के सभी रेंज के नए पुलिस महानिरीक्षकों और उप महानिक्षकों की बैठक लेकर प्रदेश में कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री बघेल ने बैठक में प्रदेश में कानून और व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने गुंडों बदमाशों, सट्टा, जुआ और ऑनलाइन गेमिंग के संबध में की जा रही कार्रवाई की जानकारी लेते हुए इन पर कड़ाई से प्रभावी रोकथाम लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

ई-केवाईसी की अंतिम तारीख अब 31 अगस्त

» खाद्य विभाग द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र जारी, ई-केवाईसी बनने के दौरान मिलता रहेगा राशन

रायपुर,28 जुलाई 2023(ए)। भारत सरकार के निर्देश पर ''वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना'' के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के हितग्राहियों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी की कार्यवाही की तिथि अब बढ़ाकर 31 अगस्त तक 2023 तक किया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा इस आशय का पत्र प्रदेश के सभी कलेक्टरों को भेज दिया गया है।

वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना' के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए राशनकार्ड के सभी सदस्यों के आधार की जानकारी प्रमाणीकृत होना आवश्यक है। राशनकार्ड में हितग्राहियों के आधार की जानकारी गलत दर्ज होने तथा आधार की जानकारी प्रमाणीकृत नहीं होने के कारण खाद्यान्न वितरण में समस्या बनी रहती है।

विभागीय डेटाबेस में जिन हितग्राहियों का आधार दर्ज है, उनके आधार की जानकारी का प्रमाणीकरण के लिए ई-केवाईसी की कार्यवाही की जा रही है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को प्रदान किये गये ई-पॉस उपकरण में ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध है। ई-केवाईसी की कार्यवाही पूर्णतः निःशुल्क है। ई-केवाईसी की कार्रवाई के लिए राशनकार्डधारी मुखिया एवं राशनकार्ड में दर्ज सभी सदस्य अपने-अपने आधार नंबर के साथ शासकीय उचित मूल्य दुकान पहुँचेंगे। जिसके बाद ही विक्रेता द्वारा ई-पॉस उपकरण में प्रत्येक सदस्य के आधार नंबर की पृथक-पृथक प्रविष्टि कर उनका फिंगर प्रिंट स्कैन करवाकर ई-केवाईसी की कार्रवाई पूर्ण किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि शत-प्रतिशत ई-केवाईसी अभियान को केन्द्र शासन द्वारा गंभीरता से लिया जा रहा है तथा साप्ताहिक समीक्षा भी की जा रही है। वर्तमान में प्रदेश के सभी जिलों द्वारा 2.66 करोड़ हितग्राहियों में 1.56 करोड़ हितग्राहियों का ई-केवाईसी किया गया है।

जिसमें से 31.75 लाख हितग्राहियों का सत्यापन हो चुका है एवं 1.24 करोड़ हितग्राहियों का सत्यापन की कार्रवाही जारी है। वर्तमान स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए ई-केवाईसी की कार्यवाही की समय-सीमा पूर्व में 31 जुलाई थी, जिसमें 31 अगस्त 2023 तक वृद्धि की गयी है। ई-केवाईसी की कार्यवाही के दौरान निरंतर खाद्यान्न वितरण जारी रहेगा, किसी भी स्थिति में खाद्यान्न वितरण बाधित नहीं होगा ।

कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी सांसद प्रतिनिधि नियुक्त

» राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने जारी किया आदेश

रायपुर,28 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ की राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन ने प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी को अपना सांसद प्रतिनिधि बनाया है। इस संबंध में सांसद रंजन ने आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश में सांसद रंजीत रंजन ने कहा कि, छत्तीसगढ़ राज्य के दैनिक प्रशासनिक और सामाजिक कार्यों के संपादन के लिए अपना राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि नियुक्त करती हूं। मेरी अनुपस्थिति में आवश्यक स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। वहीं, अपनी नियुक्ति पर विकास तिवारी ने हर्ष व्यक्त करते हुए राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन के प्रति आभार व्यक्त किया है। विकास तिवारी ने कहा कि, उन्होंने जो जनहित का दायित्व दिया है उस पर वह पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। राज्यसभा सांसद की ओर से किए जाने वाले जनहित के कार्यों के प्रतिपादन के लिए राज्य और जिला प्रशासन के बीच मजबूत सेतु की भूमिका का निर्वहन करेंगे।

राजधानी में खुलेगा प्रदेश का पहला साइबर सेल

» ऑनलाइन फॉड पर लगाम लगाने के लिए छत्तीसग में विशेष थाना

रायपुर,28 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन क्राइम और साइबर क्राइम बढ़ रहा है। राज्य में विगत दिनों साइबर क्राइम के कई केस सामने आए है। ऑनलाइन बढ़ते अपराध को देखते हुए राजधनी रायपुर में प्रदेश का पहला साइबर सेल का रेंज थाना की शुरुआत होने वाली है। बता दें कि रायपुर के गंज परिसर में साइबर सेल का रेंज थाना खुलने जा रहा है।

पीएचक्यू से 80 लाख रुपये की स्वीकृति भी हो गई है। काम भी शुरू कर दिया गया है। अब ऑनलाइन फ्राड होते ही सीधे साइबर थाने में एफ आई आर दर्ज होगी। इसके लिए अधिकारी भी नियुक्त किए जाएंगे। जानकारी के अनुसार रायपुर के अलावा रेंज के महासमुंद, गरियाबंद, बलौदाबाजार और धमतरी जिले के सभी थाना क्षेत्रों में होने वाले ऑनलाइन फ्राड और फाइनेंसियल फ्राड की जांच अब यहीं से होगी। रायपुर एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने कहा, रेंज का साइबर थाना गंज परिसर में बनाया जा रहा है। जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा। साइबर फ्राड तेजी से बढ़ रहा है थाना बनने से आरोपितों को पकड़ने में मदद मिलेगी। वहीं जांच, विवेचना भी यहीं होगी। पीएचक्यू को प्रस्ताव बनाकर भेज दिया गया है।

ऑनलाइन क्राइम में हुई है वृद्धि

राजधानी समेत राज्य में साइबर क्राइम की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले साल रायपुर में चार हजार से ज्यादा साइबर फ्राड हुए हैं। दो करोड़ से ज्यादा का फ्राड हुआ है। कई मामले सेटअप की कमी और संसाधनों के अभाव में अब भी सुलझाए नहीं जा सके हैं।

क्या होगा साइबर सेल का कार्य

रायपुर ही नहीं, दूसरे जिलों के भी साइबर अपराध से संबंधित सूचनाओं पर यह थाना अपने विंग से समाधान का प्रयास करेगा। सभी संवेदनशील जगहों मसलन बैंक, सुरक्षा एजेंसी, नेटवर्किंग साइट्स आदि की मानिटरिंग का जिम्मा भी इसी थाने के पास होगा। दूसरे थानों में भी साइबर क्राइम से संबंधित शिकायतें (आइटी एक्ट) आएंगी तो उसे साइबर थाने में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इससे सामान्य थानों में पड़ने वाले अतिरिक्त लोड घट जाएंगे।

अल्पसंख्यक विभाग की नई कार्यकारिणी घोषित

रायपुर,28 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के अल्पसंख्या विभाग में नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के आदेशानुसार एवं प्रदेश प्रभारी निजामुद्दीन राईन,सहप्रभारी आशिफ पाशा तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अमीन मेमन के अनुमोदन से छत्तीसगढ़ प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए गए हैं. जो तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। प्रदेश प्रभारियों ने बैठक के बाद संभावित पदाधिकारियों की सूची को राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी को भेज उनसे अनुमोदन लेकर उसे आज आधिकारिक रूप से जारी किया है.। अल्पसंख्यक विभाग कि कार्यकारिणी में 15 उपाध्यक्ष, 40 महासचिव, 78 सचिव एवं 25 जिला अध्यक्षों कि नियुक्ति कि गई है अभी बस्तर संभाग एवं दुर्ग ग्रामीण, भिलाई, बेमेतरा, मोहला मानपुर, रायपुर, मुंगेली जिले के अध्यक्षों कि नियुक्ति बाकि है.। प्रदेश अध्यक्ष अमीन मेमन ने सूची जारी करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयो को बधाई प्रेषित की और मिशन 2023-24 में अब कि बार 75 पार का लक्ष लेकर काम करने कि अपील की.है।

चुनाव के ठीक पहले कई आईपीएस के प्रभार में फेरबदल

रायपुर,28 जुलाई 2023 (ए)। राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के ठीक पहले कई आईपीएस अफसरों को नवीन पदस्थापना दी गई है। गृह (पुलिस) विभाग द्वारा जारी नवीन पदस्थापना आदेशानुसार डा. आनंद छाबड़ा पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज को पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज बनाया गया है। इसी तरह रतन लाल डांगी निदेशक नेताजी सुभाष चंद्र बोस रा'य पुलिस अकादमी चंद्रखुरी रायपुर को वर्तमान कर्तव्यों के साथ ही साथ पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं अंकित कुमार गर्ग पुलिस महानिरीक्षक रायपुर मुख्यालय को सरगुजा रेंज का नया पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। बदी नारायण मीणा पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज को दुर्ग रेंज का नया पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। वे दुर्ग के साथ ही साथ बेमेतरा और बालोद जिले को भी मॉनीटर करेंगे। राहुल भगत पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय रायपुर को पुलिस महानिरीक्षक जिला राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़, छुईखदान, गंडई की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह राम गोपाल गर्ग प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज को उप पुलिस महानिरीक्षक रायगढ़ जिला रायगढ़, सक्ती, जशपुर की जिम्मेदारी दी गई है।

सुबेदार/उपनिरीक्षक/प्लाटून कमांडर मुख्य परीक्षा तिथि

सूबेदार,उप निरीक्षक,प्लाटून कमाण्डर की शारीरिक दक्षता परीक्षा का अंतिम अवसर 30 को

रायपुर,28 जुलाई 2023 (ए)। प्रदेश में सूबेदार/उप निरीक्षक प्लाटून कमाण्डर संवर्ग- 2021 की भर्ती प्रक्रिया अंतर्गत प्रारंभिक एवं मुख्य लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया था। मुख्य परीक्षा परिणाम जारी होने के उपरांत 18 जुलाई 2023 से 30 जुलाई 2023 तक शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा जिला रायपुर (छ.ग.) में किया जा रहा है।

भर्ती समिति के अध्यक्ष ने जानकारी दी है कि जो भी अभ्यर्थी किसी कारणवश अपनी शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु निर्धारित तिथि को परीक्षा में उपस्थित नहीं हुए हैं, ऐसे सभी उम्मीदवारों को अवसर देते हुए 30 जुलाई 2023 को उनकी शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की जाएगी। ऐसे समस्त अभ्यर्थी उक्त तिथि को प्रातः 06.30 बजे अनिवार्य रूप से प्रवेश पत्र में दर्शित निर्धारित स्थल पर उपस्थित हो सकते हैं। शारीरिक दक्षता परीक्षा हेतु पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 जुलाई 2023 के उपरांत किसी भी अभ्य र्थी को शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए कोई अवसर नहीं दिया जायेगा।

निखिल चंद्राकर को बलात्कार के मामले में जेल भेजा गया

रायपुर,28 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला घोटाले के सूत्रधार कहे जाने वाले सूर्यकांत तिवारी के करीबी निखिल चन्द्राकर को खम्हारडीह थाना पुलिस ने बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया ।

ज्ञात रहे कि छत्तीसगढ़ में हुए 550 करोड़ के कोयला घोटाले में वह अभी भी रायपुर सेंट्रल जेल में बंद है। उसे खम्हारडीह थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर वापस सेंट्रल जेल शिफ्ट कर दिया।पुलिस ने बताया कि इस शातिर क्रिमिनल ने अपनी पत्नी चिकी चंद्राकर उर्फ तलविंदर कौर,अपनी बेटी इशिता उर्फ हनी चन्द्राकर और अपने दो सालों के साथ में 30-40 गुंडों के साथ मिलकर ग्राम जोरा में 12 नवंबर 2022 की आधी रात में घर के ताले दरवाजे तोड़कर जबरदस्ती घुस कर इस बलात्कार पीड़िता के मर्डर के इरादे बुरी तरह से पिटाई की जिसमें कुछ पुलिस वालों का भी सहयोग लिया। और अपराध के सबूत मिटाने के लिए घर में लगे सीसीटीवी का डीवीआर भी उखाड़ करके ये लोग ले गया । और जब पीड़िता जीवित बच गई तो कुछ पुलिस वालों से मिलकर पीड़िता को डरा धमका कर इस गंभीर अपराध को साधारण लड़ाई झगड़े के रूप में एफआईआर करवाया । अपनी पत्नी तलविंदर उर्फ चिकी की चन्द्राकर के साथ मिलकर विभिन्न प्रकार से पीड़िता को अपनी पोलिटिकल पहुंच की धौंस दिखाकर टार्चर करने लगा था। घोटाले को लेकर ईडी की गिरफ्त मे आने के बाद पीड़ित ने पिछले दिनों रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)